हिंदी सुमन

V4M5E8

भाग-1

कक्षा 3 के लिए हिंदी पाठ्यपुस्तक

राजकीय विद्यालयों में निःशुल्क वितरण हेतु

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
उदयपुर

प्रकाशक

राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल, जयपुर

प्रथम संस्करण: 2025

© राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

© राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

पेपर उपयोग: आर.एस. टी.बी. वाटरमार्क
80 जी. एस. एम. पेपर पर मुद्रित

प्रकाशक: राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2 ए, झालाना डूंगरी, जयपुर

मुद्रक:

मुद्रण संख्या:

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर नहीं दी जाएगी और नहीं बेची जाएगी।

- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

- किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन केवल प्रकाशक द्वारा ही किया जा सकेगा।

आवरण पृष्ठ साज-सज्जा :
डॉ. सूरज सोनी, असिस्टेंट प्रोफेसर

विशेष: इस पुस्तक में संकलित सामग्री कई स्रोतों से प्रभावित है, हम उन सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हैं।

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य ''के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

आमुख

बच्चों के लिए शिक्षा का प्रारंभिक चरण (6 से 11 आयुवर्ग) सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह समय होता है जब वे अपने आसपास की दुनिया को जानने, समझने और सीखने की शुरुआत करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) इसी विचार को अपनाते हुए शिक्षा को रोचक, आनंददायक और अनुभवात्मक बनाने पर जोर देती है। यह शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार और नवीन दृष्टिकोण को अपनाने की अनुशंसा करती है। इस नीति का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए सृजनात्मकता, तार्किकता और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत शिक्षा को अधिक समावेशी, समग्र और कौशल-आधारित बनाने पर विशेष बल दिया गया है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर द्वारा प्राथमिक कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है। बच्चों के चतुर्दिक और सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए इनमें भारतीय ज्ञान परंपरा, 21वीं सदी के कौशल, सामाजिक-भावनात्मक कौशल, कला एवं शारीरिक शिक्षा को समेकित किया गया है। यह पाठ्यपुस्तक न केवल तार्किक चिंतन, स्पष्ट अवधारणात्मक समझ और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती है, साथ में समावेशन, सांस्कृतिक एकता और सामंजस्य की प्रवृत्तियों को भी सुदृढ़ करती है।

पाठ्यपुस्तक में कक्षा-स्तरानुरूप प्रभावी, रोचक और सृजनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ रोचक कहानियों, कविताओं सहित अन्य विधाओं की सामग्री का समावेश किया गया है ताकि बच्चे सहज और आनंददायक तरीके से सीख सकें। शिक्षकों के लिए भी इसमें जगह-जगह सुझाव दिए गए हैं जिससे वे बच्चों को और अधिक प्रभावी तरीके से सीखने में सहयोग कर सकें।

पाठ्यपुस्तक विकास की इस महत्वपूर्ण यात्रा में प्रदेश के चुने हुए शिक्षक, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का बहुमूल्य योगदान रहा है। उनके सहयोग, सुझाव और निष्पक्ष दृष्टिकोण के बिना इस कार्य को प्रभावी रूप से संपन्न करना संभव नहीं होता। इस अमूल्य योगदान के लिए हम सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। पाठ्यक्रम समीक्षा समिति के सभी सम्मानित सदस्यों का विशेष आभार जिनके बहुमूल्य सुझावों से इस पाठ्यपुस्तक को और बेहतर बनाने की दिशा मिली।

नवविकसित पाठ्यपुस्तक कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सहज, आनंददायी और उत्कृष्ट बनाएगी ऐसा विश्वास है और यह शिक्षकों के सक्रिय सहयोग से ही संभव होगा। शिक्षकों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि वे विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक भी हैं। उन्हें इस पाठ्यपुस्तक का उपयोग करते समय बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धति अपनानी चाहिए जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमतानुसार सीख सकें। इसके साथ ही वे 21वीं सदी के कौशलों को बढ़ावा देने, सामाजिक-भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने और भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों को कक्षा-शिक्षण में प्रभावी रूप से समाहित करने पर विशेष ध्यान दें।

यह पुस्तक आपके हाथ में है। प्रदेश के लाखों बच्चे आपकी ओर सीखने की आतुरता से निहार रहे हैं। हमारे सामूहिक प्रयासों से वे निश्चय ही सीखने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, इसका हमें पूर्ण विश्वास है। इन पाठ्यपुस्तकों को और बेहतर बनाने की दिशा में आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

पाठ्यपुस्तक विकास समूह

मुख्य संरक्षक	:	**कृष्ण कुणाल,** IAS, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान
मुख्य मार्गदर्शक	:	**श्वेता फगेड़िया,** RAS, निदेशक, RSCERT, उदयपुर
मार्गदर्शक	:	**कैलाश चंद्र तेली,** अतिरिक्त निदेशक, RSCERT, उदयपुर
मुख्य समन्वयक	:	**पीयूष कुमार जैन,** उप निदेशक, RSCERT, उदयपुर
समन्वयक एवं समीक्षा समिति	:	**महेश कुमार बुनकर,** प्राचार्य
		डॉ. मनीषा उज्ज्वल, एसोसिएट प्रोफेसर
		डॉ. योगेन्द्र कुमार श्रीमाली, एसोसिएट प्रोफेसर
		डॉ. रिपुदमन सिंह उज्ज्वल, उप प्राचार्य
		नरेश पँवार, असिस्टेंट प्रोफेसर
		बन्ना राम रैगर, असिस्टेंट प्रोफेसर
अकादमिक सहयोग एवं परामर्श	:	**इग्नस पहल**
लेखन एवं संपादन	:	**सोमनाथ शर्मा,** उप प्राचार्य
		सीताराम, प्राध्यापक
		कृष्ण बिहारी पाठक, प्राध्यापक
		मेवाराम गुर्जर, प्राध्यापक
		आशा रानी सुमन, अध्यापक
		गोविन्द सिंह चौहान, अध्यापक
		विश्वामित्र दायमा, विशेष शिक्षक
		डॉ. मुकुल शर्मा, कंप्यूटर अनुदेशक
सहयोगी संस्थाएँ	:	**अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन**
चित्रांकन	:	**जगदीश नंदवाना,** व्याख्याता
		भारत भूषण वैष्णव, व्याख्याता
		गोविन्द प्रजापत, व्याख्याता
		भावेश सुथार, कला विद्यार्थी

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
	भारत है मेरा घर	1
1	अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?	2–5
2	चींटी की तबीयत	6–13
3	स्वाद और स्वास्थ्य	14–21
4	श्रवण कुमार	22–26
	आकलन–I	27–29
5	ताकधिना	30–34
6	मेरी किताब कहाँ है ?	35–41
7	रंग-बिरंगे मौसम	42–46
8	मैं स्कूल कब जाऊँगी ?	47–51
	आकलन–II	52–55
9	बूँद-बूँद की रखवाली	56–60
10	मेला	61–65
11	चार दोस्त	66–71
12	बिट्टो ने चलाई बाइक	72–76
	आकलन–III	77–80
13	बादल हैं किसके काका ?	81–86
14	मातृकुंडिया की यात्रा	87–93
15	बीरबल की खिचड़ी	94–98
16	बूझो तो जानें	99–103
	आकलन–IV	104–107
	शब्दों की दुनिया	108–110

भारत है मेरा घर

Q2K7P9

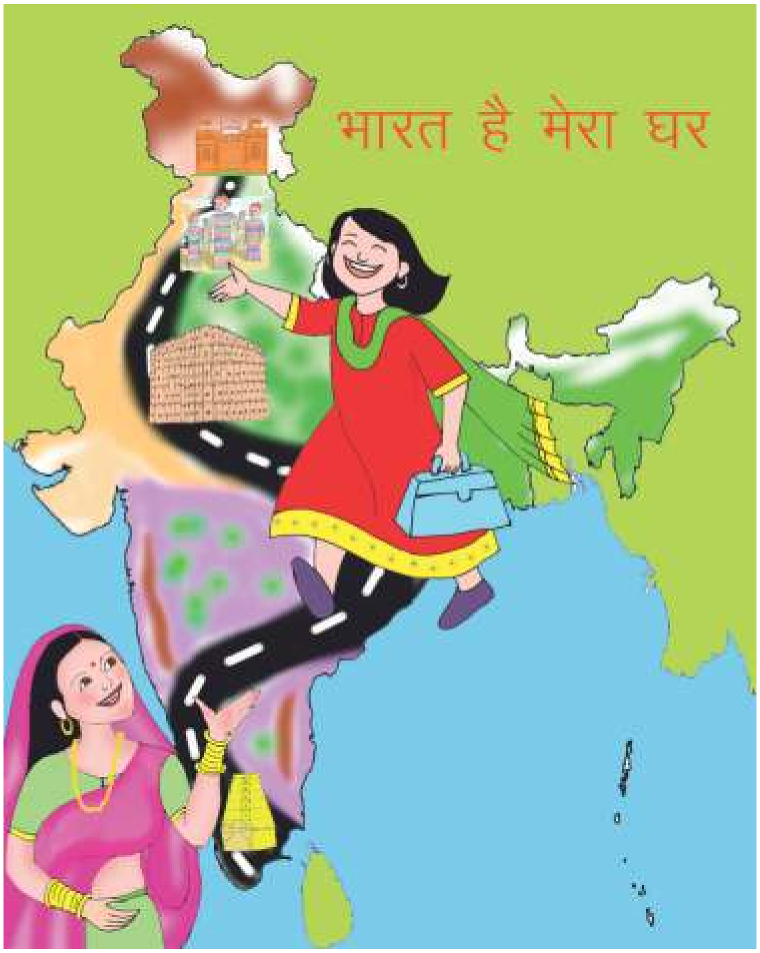

रानी बिटिया चली घूमने
दिल्ली से आगे बढ़,
चलते-चलते, चलते-चलते
पहुँच गई चंडीगढ़।
चंडीगढ़ से जयपुर पहुँची
जयपुर से रामेश्वर,
रामेश्वर से चलते-चलते
लौट चली आई घर।
माँ ने पूछा- ''रानी बिटिया!
कहाँ गई थी बाहर?''
बिटिया बोली- ''कहीं नहीं माँ
मैं थी घर के अंदर।''
''घर के अंदर? रानी बिटिया
ऐसा झूठ सरासर?''
''झूठ नहीं माँ! सच कहती हूँ
भारत है मेरा घर।''

साभार- 'निरंकार देव सेवक'

E7J6A7

अध्याय - 1

अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी?

आँधी आई जोर शोर से,
डालें टूटी हैं झकोर से।
उड़ा घोंसला, अंडे फूटे,
किससे दु:ख की बात कहेगी!
अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?

हमने खोला आलमारी को,
बुला रहे हैं बेचारी को।
पर वो चीं-चीं कर्राती है
घर में तो वो नहीं रहेगी!
अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?

घर में पेड़ कहाँ से लाएँ,
कैसे यह घोंसला बनाएँ!
कैसे फूटे अंडे जोड़ें,
किससे यह सब बात कहेगी!
अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?

-महादेवी वर्मा

अभ्यास कार्य

आओ बात करें –

1. आँधी से चिड़िया को क्या नुकसान हुआ?
2. बच्चे चिड़िया की मदद कैसे करना चाहते हैं और क्यों ?
3. आँधी के कारण चिड़िया को क्या-क्या परेशानी हुई? इसे अपने शब्दों में बताओ।
4. यदि चिड़िया उड़ती हुई आपके घर की छत पर आ गई तो आप उसके लिए क्या-क्या करेंगे?

सोचो और लिखो-

1. मिलान करो (कौन कहाँ रहता है?)

मछली	बिल
चूहा	गुफा
चिड़िया	पानी
शेर	घोंसला

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –
   1. अब यह .... कहाँ रहेगी?
   2. घर में पेड़ .... से लाएँ?
   3. .... रहे हैं बेचारी को।
   4. किससे .... की बात कहेगी?

रचनात्मक प्रश्न –

1. चिड़िया को अपना नया घोंसला बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए?
2. अपने मनपसंद जानवर या पक्षी का चित्र बनाइए और रंग भरिए।

3. अगर चिड़िया बोल सकती तो वह आपसे क्या बात करती ?

4. 'अगर मैं चिड़िया होता / होती' इस विषय पर पाँच वाक्य लिखो।

भाषा की बात –

1. दिए गए शब्दों को आपके घर की भाषा में क्या बोलते हैं ? लिखिए–

अंदर .... बाहर ....

बिटिया .... माँ ....

इस कविता में कुछ शब्द आए हैं, जैसे–कहाँ।

1. **कहाँ** शब्द में (ँ) चिह्न लगा है, इसे अनुनासिक कहते हैं तथा इस चिह्न को चंद्रबिंदु कहते हैं। कविता में से ऐसे चिह्न वाले अन्य शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

....

2. **चंडीगढ़** शब्द में (ं) चिह्न लगा है, इसे अनुस्वार कहते हैं। कविता में से ऐसे चिह्न वाले अन्य शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

....

क्रिया पहचानो –

1. कविता को ध्यान से पढ़कर इसमें आई क्रियाओं को पहचानो (जैसे– उड़ना, चीं–चीं करना, बुलाना)।

2. नीचे दी गई पंक्तियों में आई क्रियाओं को पहचानो (जैसे– चलना)। ऐसे अन्य शब्द छाँटकर लिखो–

विवेक को पक्षियों से बहुत प्यार है। सुबह जब दादी चिड़ियों को दाना डालने जाती है तो वह साथ–साथ जाता है और चिड़िया पकड़ने की कोशिश करता है। एक दिन पानी के परिंडे पर चिड़िया का बच्चा आया। उसने अभी–अभी उड़ना सीखा है। वह आसमान को छूना चाहता है पर उड़ते–उड़ते गिर पड़ता है। फिर उड़ता है, फिर गिरता है। तभी अचानक तेज हवा चली और वह पूरी ताकत लगाकर उड़ा। अबकी बार वह आसमान की ओर उड़ चला। यह देख विवेक मुस्कुरा उठा।

जैसे–**उड़ना** ....

....

पढ़ने के लिए-

दी गई कविता को पढ़कर दिए गए बॉक्स में इससे जुड़े चित्र बनाइए।

देश की माटी, देश का जल।
हवा देश की, देश के फल ।
सरस बनें प्रभु, सरस बनें।।

देश के घर और देश के घाट।
देश के वन और देश के बाट।
सरल बनें प्रभु, सरल बनें।।

देश के तन और देश के मन।
देश के घर के भाई–बहन।
विमल बनें प्रभु, विमल बनें।।

देश की इच्छा, देश की आशा।
देश की शक्ति, देश की भाषा।
एक बनें प्रभु, एक बनें।।

देश की माटी, देश का जल।
हवा देश की, देश के फल।
सरस बनें प्रभु, सरस बनें।।

– रवीन्द्रनाथ टैगोर

अध्याय - 2

चींटी की तबीयत

एक दिन चींटी की तबीयत खराब हो गई। उसे शक्कर का एक दाना तोड़कर खाने को दिया पर उससे खाया न गया। फिर सूजी का एक दाना दिया। वह भी रखा ही रहा।

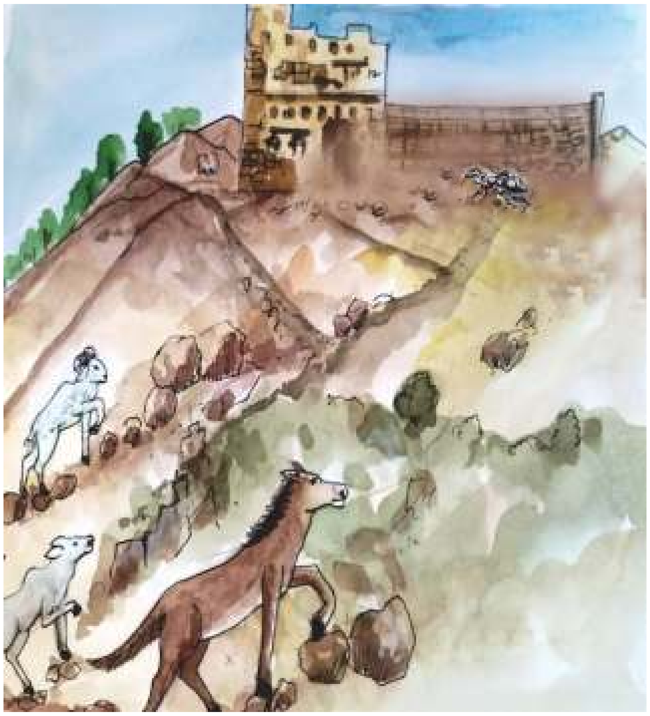

बछड़ा, बछेरा और मेमना उसके दोस्त थे। वे उससे मिलने गए।

चींटी पहाड़ पर एक खंडहर की टूटी दीवार में रहती थी। चींटी के दोस्तों ने पहाड़ चढ़ा। वे चढ़ाई में जगह-जगह गिर-पड़ रहे थे। गिरते तो गाते –

गिरे तो गिरे

पर लग क्यों गई

हमारी तो जान ही निकल गई।

वे खंडहर में पहुँचे। चींटी टूटी दीवार के सुराख में लेटी थी। उसके दोस्तों ने दीवार पर चढ़ने की काफी कोशिश की पर वे चढ़ नहीं सके। कल फिर आएँगे उन्होंने तय किया। लौटते वक्त तीनों पहाड़ी ढलान में फिसलकर लुढ़क गए। लुढ़कते-पुढ़कते गए तो दो मिनट में ही नीचे पहुँच गए। मेमने के कान में चोट लगी। बछेरा का घुटना फूट गया। बछड़े के पाँव में मोच आ गई। तीनों बीमार की तरह पशु बाड़े में पड़े थे।

उधर चींटी की तबीयत ठीक हो गई। वह अपने दोस्तों से मिलने आई। तीनों पड़े-पड़े

कराह रहे थे–

गिरे तो गिरे

पर लग क्यों गई

हमारी तो जान ही निकल गई।

चींटी ने पूछा–''मगर तुम्हें चोट कैसे लग गई प्यारे दोस्तों! वह भी तीनों को एक साथ।''

अब वे क्या बताते। उन्होंने इतना ही कहा–''तुम्हारी तबीयत ठीक हो गई। हमें बहुत खुशी हुई। अब कभी बीमार मत पड़ना।''

साभार- प्रभात

अभ्यास कार्य

आओ बात करें

1. अगर आपकी तबीयत खराब हो जाती है तो आप क्या–क्या करते हो ?
2. तबीयत खराब होने के दौरान आपके दोस्त मिलने आते हैं तो क्या–क्या बातें होती हैं ?
3. अगर आपको दोस्त की तबीयत खराब होने की खबर मिलती है तो आपके दिमाग में क्या–क्या विचार आते हैं ?

4. सोचकर बताओ कि चींटी के दोस्त बछड़ा, बछेरा और मेमना ने आपस में क्या-क्या बातें की होंगी ?
5. तीनों दोस्तों ने चींटी से मिलने की कोशिश की लेकिन मिल न पाए। अगर वे मिल पाते तो आपस में क्या-क्या बातें करते ?
6. अगर आप किसी बीमार दोस्त से मिलने जाते हैं और उससे मिल नहीं पाते हैं तो आपके मन में क्या-क्या विचार आते हैं ?
7. ''मगर तुम्हें चोट कैसे लग गई प्यारे दोस्तों ! वह भी तीनों को एक साथ।'' चींटी के इस प्रश्न का जवाब बछड़ा, बछेरा और मेमने ने नहीं दिया। अगर आप उनकी जगह होते तो आपका जवाब क्या होता ?
8. जब आप अपने किसी दोस्त से मिल नहीं पाते हैं तो आपको कैसा लगता है ?
9. कहानी में आगे क्या हुआ होगा ? अनुमान से बताइए।

सोचो और लिखो –

1. चींटी को खाने के लिए क्या-क्या दिया गया ?
2. चींटी के दोस्तों को चोट कैसे लगी ?
3. आपके घर, विद्यालय और खेलने के स्थान के आसपास कौन-कौनसे जीव-जंतु देखने को मिलते हैं ? लिखिए।
4. इस पाठ में चींटी के कई मित्र हैं जो बीमार होने पर उससे मिलने आए। आपके भी अनेक मित्र होंगे। यदि उनमें से कोई रूठ जाए तो आप उसे कैसे मनाएँगे ?

पढ़ें और लिखें –

1. नीचे कुछ जीवों के नाम लिखे गए हैं। ये क्या-क्या खाते होंगे ? अपने दोस्तों से बातचीत करके लिखिए।

चींटा	चीनी, आटा
मेमना	

बछड़ी	
हाथी	
चिड़िया	
मछली	

2. अगर आपके किसी मित्र की तबीयत खराब हो गई है और आप उससे मिलने गए हैं तो उसका हालचाल जानने के लिए क्या-क्या बातें पूछेंगे ? कोई पाँच वाक्य लिखिए।

    1. ....
    2. ....
    3. ....
    4. ....
    5. ....

3. आपका प्यारा दोस्त कुछ दिनों से विद्यालय नहीं आ रहा है। उसका हालचाल जानने के लिए पत्र लिखकर अपने दोस्तों को सुनाइए-

मेरे प्यारे दोस्त .... दिनांक ....

....

....

....

....

....

....

अपना नाम

4. मैंने पत्र लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा। जो सही हैं उन पर सही (✓) का निशान लगाइए –

(क) मैंने दोस्त का नाम और दिनांक लिखी। ( )

(ख) मैंने दोस्त के स्कूल नहीं आने पर चिंता जताई। ( )

(ग) मैंने दोस्त के हालचाल पूछे। ( )

(घ) मैंने दोस्त के जल्दी विद्यालय आ जाने की कामना की। ( )

(ङ) मैंने अंत में सभी बड़ों को प्रणाम लिखा। ( )

(च) मैंने पत्र के अंत में अपना नाम लिखा। ( )

5. किसने किससे कहा ?

"गिरे तो गिरे

पर लग क्यूँ गई

हमारी तो जान ही निकल गई"

किसने कहा – ....

किससे कहा – ....

भाषा की बात–

1. अपनी बात पर जोर डालने के लिए वाक्य में 'ही' का उपयोग करते हैं। जैसे– हमारी तो जान 'ही' निकल गई। नीचे दिए गए वाक्यों में 'ही' शब्द लगाएँ।

1. सूरज सुबह समय पर निकलता है।

....

2. प्यास लगने पर पंछी पानी पीने आते हैं।

....

3. जब मैंने मदद माँगी तो मेरे दोस्त ने तुरंत मदद की।

....

2. कहानी में कुछ शब्द दोहराए गए हैं, जैसे- जगह-जगह, पड़े-पड़े आदि। ऐसे शब्दों की सूची बनाइए जो आप बातचीत के दौरान दोहराते हैं। उनका वाक्य में प्रयोग भी करें। उदाहरण के लिए नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं-

[जगह-जगह, धीरे-धीरे, जैसे-जैसे, तरह-तरह]

1. मगरमच्छ नदी के किनारे **धीरे-धीरे** चल रहा है।

2. ....

3. ....

4. ....

3. नीचे दिए गए वाक्य पढ़ो -

(क) वह घर जाता है।

(ख) वह घर-घर जाता है।

(ग) वह नदी के किनारे टहल रहा था।

(घ) वह नदी के किनारे-किनारे टहल रहा था।

दिए गए वाक्यों में आपको क्या अंतर दिखाई दे रहा है? शिक्षक की सहायता से इन वाक्यों के अर्थ को पहचानकर लिखिए।

4. "लुढ़कते-पुढ़कते गए तो दो मिनट में ही नीचे पहुँच गए।" बातचीत में कई बार हम एक शब्द को बार-बार दोहराते हैं। दोहरान के समय दूसरे शब्द का कोई अर्थ नहीं होता। जैसे- चाय-वाय, खाना-वाना। सहपाठियों के साथ मिलकर इस तरह के शब्दों की सूची बनाओ और वाक्य में प्रयोग करो।

5. इसे पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

एक दिन चींटियों का झुंड जंगल में घूम रहा था। घूमते-घूमते वे गंगा नदी के किनारे पहुँचे। वहाँ उन्हें एक संदूक मिला। उन्होंने सोचा, इसमें जरूर कुछ खास होगा। उन्होंने अपने खास दोस्त हंस को बुलाया।

सभी ने मिलकर संदूक खोला। अंदर शक्कर और सूजी के थैले थे। हंस इसे देखकर हँसने लगा। चींटियाँ भी बहुत खुश हुई। वे थैले को अपने मुँह से पकड़ घर लौटने लगी। रास्ते में पहाड़ की चढ़ाई थी। चढ़ते समय चींटियाँ बार-बार गिरती। उन्हें चोट लगती। तब उनकी आँखों से आँसू निकल आते लेकिन वे गाना गाकर हिम्मत बढ़ाती –

''गिरे तो गिरे,

पर हार नहीं माने।

निकली हैं हम चींटियाँ,

मिलकर सब कुछ पाने।''

आखिरकार वे अपने घर पहुँच ही गईं और स्वादिष्ट भोजन बनाया। चींटियाँ खुश थी कि उन्होंने मेहनत से मिल-जुलकर काम किया।

1. इस कहानी में कुछ शब्द दिए गए हैं, जैसे- 'चींटियाँ' इसमें चंद्रबिंदु [ँ] लगा है। कहानी में आए चंद्र बिंदु वाले [ँ] शब्दों को नीचे लिखिए-

   ...., ..., ...,

   ...., ...,

2. कहानी में झुंड, जंगल जैसे शब्द दिए गए हैं। इन पर अनुस्वार [ं] लगा है। कहानी में आए अनुस्वार वाले [ं] शब्दों को लिखिए।

   ...., ..., ...,

   ...., ..., ...,

3. नीचे कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं उन्हें पढ़िए और बताइए क्या काम हो रहा है –
   1. चींटी के दोस्त पहाड़ पर चढ़ रहे थे। चढ़ना
   2. संजू अपने दोस्तों के साथ दौड़ रही थी। ....
   3. नैना और नमन दोनों खाना खा रहे हैं। ....
   4. रजनीश खेल रहा है। ....

मेरी बात – सबकी बात

1. नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं उनको अपनी भाषा में लिखिए –

1. चींटी	– ....,	4. पहाड़	– ....
2. मेमना	– ....,	5. तबीयत	– ....
3. बछड़ा	– ....,	6. गिरना	– ....

कुछ करने को –

अपने आसपास चींटियों को देखिए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- किस–किस रंग की होती हैं ? ....
- क्या–क्या करती दिखाई देती हैं ? ....

पढ़ने के लिए –

बोले, आप कौन ?
बोले, चींटी

बोले, आप कौन ?
बोले, टीटी
बोले, ये लंबी कतार
बोले, सबके सब रिश्तेदार
बोले, गाँव ?
बोले, गुड़गाँव
बोले, आप रेल में कहाँ से ?
बोले, बाम्बे से
बोले, आप रेल में कहाँ से
बोले, बाम्बी से
बोले, चींटी जी आपका सामान ?
बोले, मालगाड़ी से आ रहा है

साभार– प्रभात (साइकिल से...)

S2L7P5

अध्याय - 3

स्वाद और स्वास्थ्य

वाह ! मीठे-मीठे लड्डू! मजा आ गया।

ईईई... इ इ इ इ ओह ! कितनी तीखी मिर्ची है, मुँह जल गया।

इस्स ! मुँह खट्टा हो गया।

उफ्फ ! कड़वा करेला मुँह खराब कर दिया।

गर्मियों की दोपहर थी। राजस्थान के एक छोटे से गाँव 'स्वादपुर' में सभी बच्चे बहुत उत्साहित थे क्योंकि आज एक मजेदार खेल होने वाला था। स्वादपुर में मीठू, खट्टू, नमकू और तीखू नाम के चार दोस्त रहते थे। गाँव के दो बड़े बुजुर्ग चटकारामल और खाउचंद ने मीठू, खट्टू, नमकू और तीखू को बुलाकर कहा, ''जो भी सबसे स्वादिष्ट पकवान बनाएगा उसे **स्वाद बहादुर** का ताज पहनाया जाएगा।''

चारों दोस्त सोच में पड़ गए।

मीठू बोली, ''सिर्फ मीठा ही सबसे अच्छा स्वाद है।''

खट्टू ने कहा, ''नहीं! खट्टा स्वाद सबसे मजेदार होता है।''

नमकू बोला, ''बिना नमक के कोई भी पकवान अधूरा होता है।''

तीखू हँसकर बोली, ''अगर तीखा ना हो तो खाने में मजा ही नहीं आता।''

चटकारामल ने उन्हें एक जादुई कढ़ाई दी और कहा, ''तुम सभी अपने-अपने स्वाद मिलाकर पकवान बनाओगे तो यह कढ़ाई तुम्हें बताएगी कि तुमने सही किया या नहीं।''

चारों ने मिलकर काम किया। मीठू ने गुड़ डालकर गुलगुले बनाए। तीखू ने बेसन में हल्की मिर्च डालकर पकौड़ी बनाई, नमकू ने उसमें थोड़ा सा नमक मिलाया और खट्टू ने पकौड़ी पर नीबू निचोड़ा।

जैसे ही पकवान तैयार हुए, जादुई कढ़ाई चमक उठी और बोली, ''वाह! जब सब स्वाद मिलते हैं तभी असली स्वाद आता है।'' चारों को **स्वाद बहादुर** का ताज पहनाया गया।

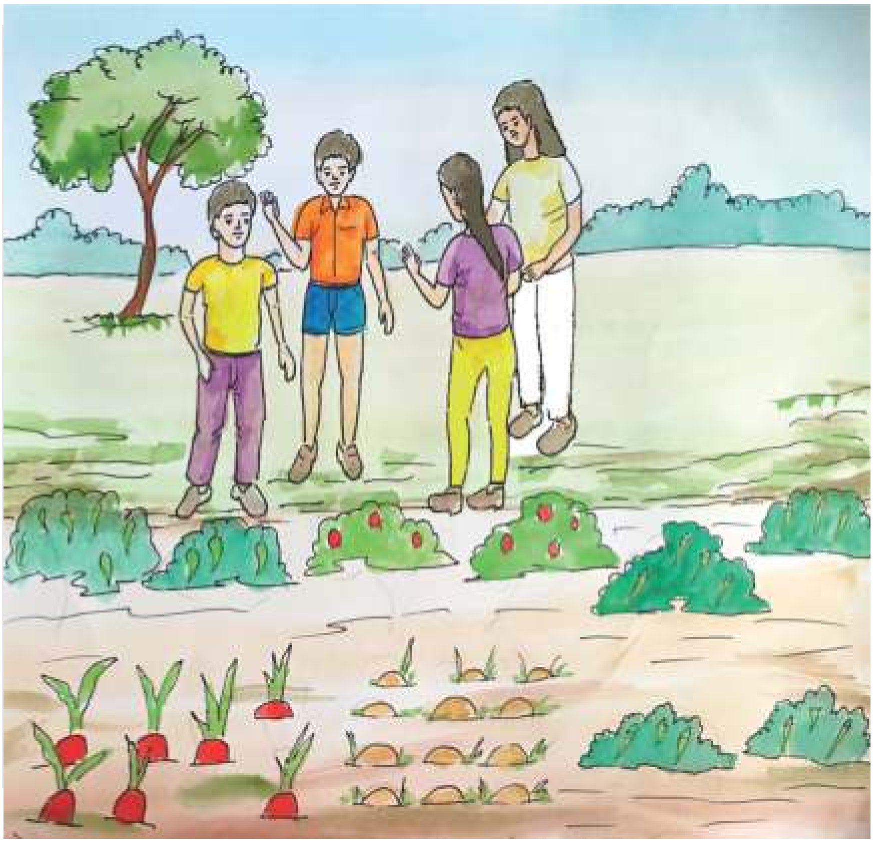

ताज पहनकर खुशी-खुशी चारों दोस्त गाँव के खेतों की ओर निकल पड़े। वहाँ हरी-भरी सब्जियाँ लहलहा रही थी। मटर की लताएँ झूम रही थी, लाल-लाल टमाटर झाँक रहे थे और बैंगन पत्तों में छिपे थे।

मीठू ने कहा, ''अरे ! माँ रोज टिफिन में कोई न कोई हरी सब्जी डाल देती है पर ये इतनी जरूरी क्यों होती हैं ?''

खट्टू ने मुँह बनाया, ''उफ्फ ! भिंडी तो मुझे बिलकुल पसंद नहीं।''

तीखू बोली, ''अरे ! सब्जियाँ हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छी होती हैं। अगर इन्हें सही तरीके से बनाया जाए तो ये भी बहुत स्वादिष्ट लग सकती हैं।''

नमकू ने पास की दुकान पर रखी सब्जियों की ओर इशारा किया और बोला, ''आलू, भिंडी, गाजर, टमाटर, मिर्ची।''

मीठू बोली, ''गाजर हमारी आँखों के लिए अच्छी होती है। टमाटर हमें कई बीमारियों से बचाता है और भिंडी दिमाग तेज करने में मदद करती है।''

खट्टू ने चौंकते हुए कहा, ''अगर इन सब्जियों को थोड़ा मसालेदार बना दिया जाए तो मजा आ जाएगा।''

तीखू हँसते हुए बोली, ''तो आज माँ से भरवा भिंडी और टमाटर सूप बनवाते हैं।''

बच्चे खुशी-खुशी अपने घरों को लौट गए। उन्होंने समझ लिया था कि हर स्वाद जरूरी होता है और सेहतमंद खाना भी स्वादिष्ट बनाया जा सकता है।

अभ्यास कार्य

आओ बात करें-

1. आपको खाने में क्या-क्या पसंद है ? अपने दोस्तों को बताइए।
2. आपके स्थानीय बाजार में खाने की कौन-कौनसी चीजें मिलती हैं ? अपनी भाषा में बताइए।
3. आपके मनपसंद भोजन (जैसे- खीर या कोई अन्य) बनाने की विधि अपने घर में पूछकर दोस्तों को बताओ।

सोचो और लिखो-

1. सही विकल्प चुनो-

(क) जब सभी दोस्तों ने साथ मिलकर पकवान बनाया तो क्या-क्या बना ?

(अ) खीर-मालपुए (ब) दाल, बाटी और चूरमा

(स) गुलगुले और पकौड़ी (द) कचौरी और रसगुल्ले ( )

(ख) आँखों की रोशनी तेज करने वाली सब्जी कौनसी है ?

(अ) मिर्ची (ब) मूली (स) गाजर (द) धनिया ( )

2. आप अपने दोस्तों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये ही उत्तर क्यों चुने ?

3. नीचे दिए शब्दों को चुनकर कविता को पूरा करें-
(जीभ, पकौड़े, जलेबी, नमक, मजा)

चार चटोरे बैठे थे,

सब खा रहे .... थे।

गरमा-गरम .... आई,

सबकी .... मचल गई भाई

मिलान करो-

1. 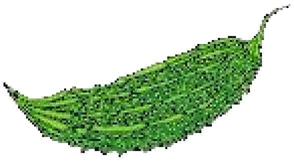　　खट्टा

2. 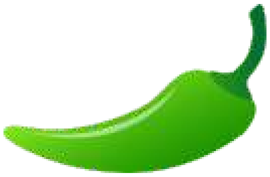　　मीठा

3. 　　कड़वा

4. 　　तीखा

5. 　　नमकीन

यह भी करें-

1. आओ मिड-डे-मील (मध्याह्न भोजन) में मिलने वाली खाने-पीने की सामग्री और उनके स्वाद की सूची बनाएँ।

........................., ..., ..., ...

........................., ..., ..., ...

2. विद्यालय में ऐसे कौन–कौनसे काम होते हैं जिन्हें आपस में मिलकर करते हैं ? उन्हें लिखिए। जैसे– प्रार्थना–सभा।

....................., ..., ..., ..., ...

रचनात्मक प्रश्न–

1. सोचो कि **स्वाद बहादुर** बच्चों की जगह आप चार दोस्त होते तो क्या करते ? एक छोटी कहानी बनाओ।
2. स्वाद एवं खाने–पीने से जुड़ी वस्तुओं को मिलाकर तुकबंदी करें (इसमें आप अपने दोस्तों या अन्य किसी की सहायता ले सकते हैं।)

गतिविधि –

'खाने का जादू' गतिविधि –

- विद्यार्थी अलग–अलग स्वादों की वस्तुओं को पहचानने का खेल खेलें।
- शिक्षक विद्यार्थियों की आँखें बंद करके स्वाद चखने को कहें और उनसे पूछें कि स्वाद मीठा, खट्टा, नमकीन या तीखा कैसा है ?

भाषा की बात –

1. निम्नलिखित शब्दों में से अनुस्वार / चंद्रबिंदु वाले शब्द छाँटकर लिखो–

[गंगा, हँसते, मंदिर, गाँव, संतरा, पाँच, जंगल]

अनुस्वार	**चंद्रबिंदु**	**अनुस्वार**	**चंद्रबिंदु**
....	....	....	....
....	....	....	....

2. नीचे दिए गए वाक्यों में ऐसे शब्द पहचानकर लिखिए जिनसे किसी काम के होने का पता चलता है।

(क) मोर नाच रहा है। (ख) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

(ग) पानी बरस रहा है। (घ) सीता पुस्तक पढ़ रही है।

3. स्तंभ–1 और स्तंभ–2 में दिए गए शब्दों का मिलान करें एवं उन्हें साथ मिलाकर सामने लिखें–

स्तंभ–1	**स्तंभ–2**	**मिलकर बना नया शब्द**
आलू	तीखी	मस्तमौला आलू
गाजर	भरवा	....
भिंडी	लाल	....
मिर्ची	मस्तमौला	....
टमाटर	सेहतमंद	....

4. नीचे दिए गए शब्दों को उलटकर लिखिए और नए शब्दों का आनंद लीजिए –

खीरा	**–**	**राखी**
नारी	–	....
मनी	–	....
लानी	–	....
लदा	–	....
लबा	–	....

5. नीचे दिए गए शब्दों से मिलते–जुलते तुकबंदी वाले शब्दों को ढूँढ़कर उनके आगे लिखिए –

यहाँ	**–**	**वहाँ**
इसका	–	....
पानी	–	....
नाला	–	....
हल्दी	–	....
जीरा	–	....

खेल खेल में –

1. अपनी मनपसंद सब्जी का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए –

2. अगर आपके बस्ते में रखे सामान आपस में बातें करें तो बताइए कौन क्या–क्या कहेगा ?

   1. पेंसिल ....
   2. किताब ....
   3. पेन ....
   4. बस्ता ....

बूझो तो जानें –

1. **सीधी–सादी लंबी काया,**
   रंग हरा, गुणों की माया।
   सब्जी, जूस या हलवा बना लो,
   सेहत का राज हूँ मुझे तुम खा लो ।
   बोलो कौन हूँ मैं ?

2. **हर सब्जी की मैं हूँ शान**
   चटनी की मैं हूँ पहचान
   खुशबू से महकाऊँ सब कुछ,
   सूखा भी बुरका जाऊँ कुछ कुछ।
   बोलो कौन हूँ मैं ?

Q9D6Y3

अध्याय - 4

श्रवण कुमार

बहुत समय पहले की बात है। श्रवण कुमार नाम का एक बालक था। वह बहुत ही आज्ञाकारी और अपने माता-पिता का आदर करने वाला था। उसके माता-पिता बहुत बूढ़े थे और देख नहीं सकते थे।

श्रवण कुमार अपने माता-पिता की हर आवश्यकता का ध्यान रखता और उनकी हर बात मानता था। उसके माता-पिता की तीर्थयात्रा करने की इच्छा थी लेकिन वे खुद चल नहीं सकते थे।

श्रवण कुमार ने सोचा, मैं अपने माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा करवाऊँगा। उसने एक मजबूत बाँस की सहायता से एक कावड़ बनाई। उस कावड़ में दो टोकरियाँ लटकाई जिनमें अपने माता-पिता को बैठाया और अपने कंधों पर उठाकर पैदल ही यात्रा पर निकल पड़ा।

वह जंगल, पहाड़, नदियाँ पार करता हुआ माता-पिता को यात्रा करवाने लगा। रास्ते में वह स्वयं भूखा-प्यासा रहता लेकिन पहले माता-पिता की सेवा करता। वह दिन-रात बिना रुके चलता रहा।

एक दिन जब जंगल से गुजरते समय उसके माता-पिता को प्यास लगने पर वह पानी लेने नदी पर गया तभी राजा दशरथ शिकार खेलने आए। उन्होंने नदी के पास पानी भरने की आवाज सुनी और

समझा कि कोई जानवर पानी पी रहा है। उन्होंने तीर चला दिया जो जाकर सीधे पानी भर रहे श्रवण कुमार को लगा।

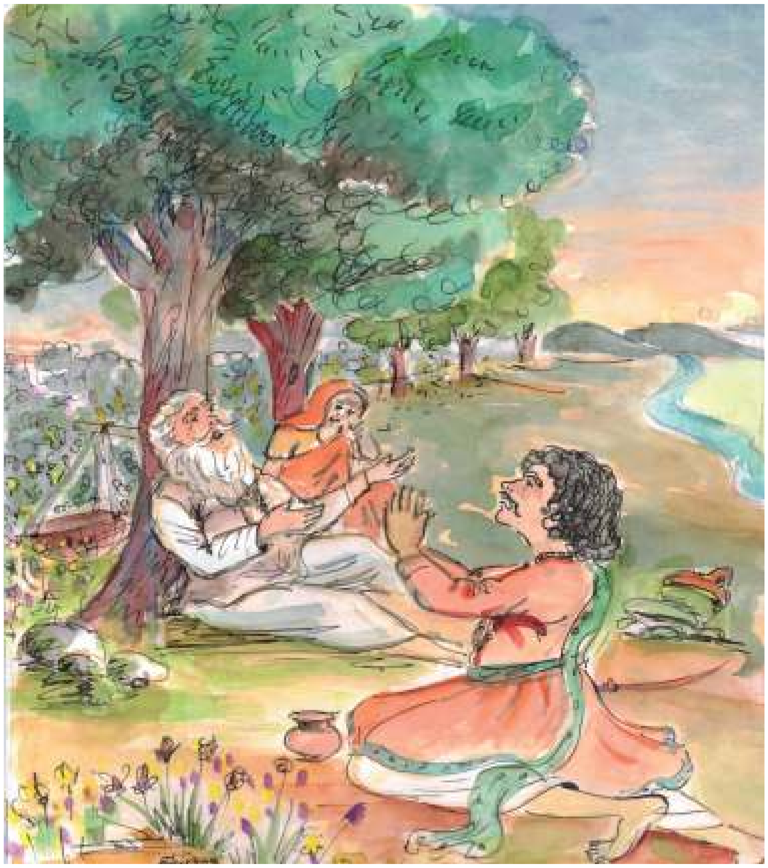

जब राजा दशरथ वहाँ पहुँचे तो देखा कि उन्होंने गलती से एक निर्दोष बालक को घायल कर दिया है। श्रवण कुमार ने अपनी अंतिम साँस लेते हुए राजा से कहा, "राजन, कृपया मेरे माता-पिता को पानी पिला दीजिए। वे बिना मेरी सहायता के असहाय हैं।"

यह सुनकर राजा दशरथ का दिल भर आया। उन्होंने जल्दी से पानी लेकर उसके माता-पिता को दिया और पूरी बात बताई। श्रवण कुमार के माता-पिता अपने बेटे को खोने से बहुत दुखी हुए। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की और इस संसार को छोड़ दिया।

श्रवण कुमार की यह कहानी हमें सिखाती है कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है। हमें हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए।

अभ्यास कार्य

आओ बात करें -

1. इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?
2. यदि आप श्रवण कुमार की जगह होते तो क्या करते?
3. माता-पिता की सेवा क्यों महत्वपूर्ण होती है?

सोचो और लिखो-

(अ) विकल्पात्मक प्रश्न-

1. श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को कैसे यात्रा करवाई ?

(क) घोड़े पर बैठाकर (ख) हाथी पर बैठाकर

(ग) कावड़ में बैठाकर (घ) बैलगाड़ी में बैठाकर ( )

2. राजा दशरथ ने तीर क्यों चलाया ?

(क) उन्होंने समझा कि कोई जानवर नदी में पानी पी रहा है

(ख) उन्हें शिकार खेलना पसंद था

(ग) उन्होंने श्रवण कुमार को देख लिया था

(घ) माता-पिता ने उनसे कहा था ( )

(ब) मिलान करो-

श्रवण कुमार	शिकार खेलने गए।
राजा दशरथ	तीर्थयात्रा करना चाहते थे।
माता-पिता	श्रवण कुमार को लग गया।
तीर	माता-पिता की सेवा करता था।

(स) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

1. श्रवण कुमार अपने माता-पिता को .... में बैठाकर तीर्थयात्रा करवाने निकला।

2. राजा दशरथ ने नदी से पानी की आवाज सुनकर .... चला दिया।

3. माता-पिता की सेवा करना सबसे .... सेवा होती है।

रचनात्मक प्रश्न–

1. अगर आपको अपने माता–पिता की घरेलू कार्यों में सहायता करनी हो तो आप क्या करेंगे ?
2. यदि आपका कोई मित्र अपने माता–पिता की सहायता नहीं करता है तो आप उसे कैसे समझाएँगे ?
3. एक समूह बनाकर यह चर्चा करें कि आप कैसे समाज सेवा कर सकते हैं ?
4. श्रवण कुमार ने अपने माता–पिता की सेवा के लिए समय निकाला। आप अपने परिवार और पढ़ाई के बीच संतुलन कैसे बनाएँगे ?
5. दैनिक कार्यों की सूची बनाएँ जिसमें परिवार की सहायता के लिए समय दिया जाए।
6. अगर श्रवण कुमार ने माता–पिता को तीर्थयात्रा पर न ले जाने का फैसला किया होता तो क्या होता ?
7. माता–पिता की सेवा नहीं करने पर परिवार और समाज पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। शिक्षक चर्चा करें।

भाषा की बात –

1. सूची–अ और सूची–ब में दिए गए शब्दों का उच्चारणकर मिलान कीजिए और अपने शिक्षक या साथियों के साथ मिलकर इनमें अंतर पहचानिए –

सूची–अ	**सूची–ब**
दिल	बिल
सुंदर	बंदर
झटपट	नटखट
मजेदार	ठेकेदार
तड़का	लड़का

2. ‘श्रवण कुमार’ पाठ से पाँच अनुस्वार/चंद्रबिंदु वाले शब्द छाँटकर लिखिए।

....

....

3. ‘समाज’ शब्द के साथ ‘सेवा’ जोड़ने से समाज-सेवा शब्द बनता है। इसी प्रकार से ‘सेवा’ शब्द जोड़कर दो नए शब्द बनाइए।

....

4. नीचे दिए गए शब्दों के विपरीत / उलटे अर्थ वाले शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

(अपमान, रात, कमजोर, दुःख)

1. हमें बड़ों का .... करना चाहिए।
2. एक .... हम मेला देखने गए।
3. उसने .... बाँस की सहायता से एक कावड़ बनाई।
4. पहला .... निरोगी काया।

आकलन-I

B5I8K4

मौखिक अभिव्यक्ति-

1. इस चित्र में क्या हो रहा है? इसके बारे में शिक्षक और अपने साथियों को सात-आठ वाक्यों में बताइए।

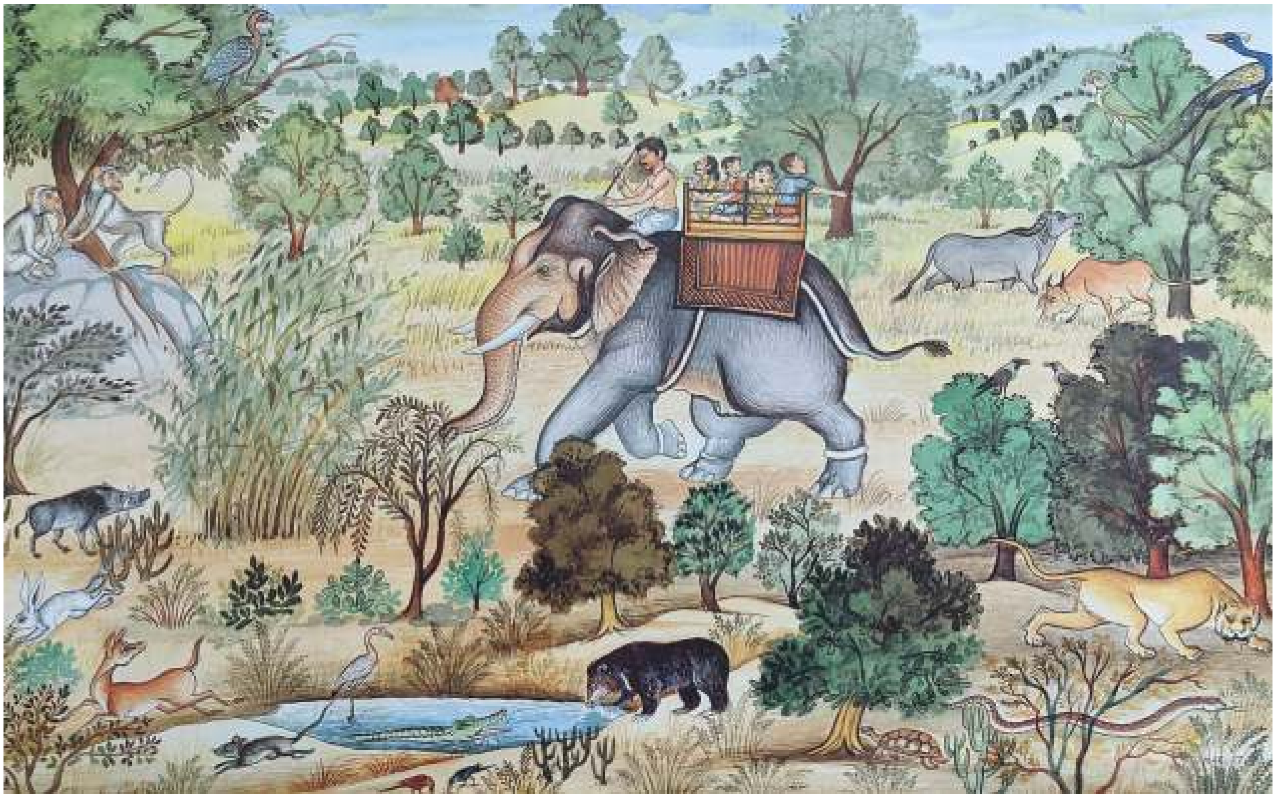

2. 'चींटी की तबीयत' कहानी में आए पात्रों के बारे में बताइए।
3. श्रवण कुमार अपने माता-पिता को कहाँ ले जा रहा था और क्यों?
4. 'अब ये चिड़िया कहाँ रहेगी' इस कविता में चिड़िया के बारे में क्या-क्या बातें की गई हैं?

पढ़कर समझना -

1. दी गई कहानी को पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए-

मोनू को पक्षियों से बहुत प्यार था। एक दिन उसने देखा कि एक नन्हा पंछी पेड़ से गिर गया है

और फड़फड़ा रहा है। वह डर गया था और उसकी माँ भी पास ही चीं-चीं कर रही थी। मोनू ने धीरे से पंछी को उठाया और एक कोमल कपड़े पर रख दिया। कुछ देर बाद पंछी ने अपनी आँखें खोलीं और चहकने लगा। मोनू ने उसे धीरे से पेड़ की टहनी पर रख दिया। माँ खुश होकर अपने बच्चे के पास उड़ आई। मोनू खुशी से झूम उठा।

1. मोनू ने पंछी को कहाँ देखा ?

   ....

भाषा की बात-

1. काम बताने वाले (क्रिया) शब्द पर गोला लगाइए -

   1. नेहा स्कूल (जाती) है।
   2. कुत्ता जोर से भौंकता है।
   3. पापा चाय पी रहे हैं।
   4. बच्चा गेंद से खेल रहा है।
   5. हम रोज सुबह योग करते हैं।

2. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरें -

   1. आसमान में .... चमक रहा है। (चाँद / चंदन)
   2. पापा ने मेरे लिए नया .... खरीदा। (कंबल / कमल)
   3. विशाल .... नदी के तट पर घूमने गया। (गंगा / गगा)
   4. वन में .... की खुशबू आ रही है। (चंदन / चाँदन)

3. दिए गए शब्दों को तालिका में अलग-अलग लिखें और इसी तरह के 4-4 नए शब्द भी लिखिए - **गंगा, मंदिर, माँ, संजय, चाँद, कंबल, हँसी**

अनुस्वार (बिंदु) वाले शब्द लिखिए, जैसे- वंदना।	चंद्र बिंदु वाले शब्द लिखिए, जैसे- आँख।

रचना करें –

अपना मनपसंद चित्र बनाइए और उसके बारे में दो वाक्य लिखिए–

....

....

V9R6P9

अध्याय - 5

ताकधिना

गोला बनाकर आओ नाचें
झूमें गाएँ–ताकधिना,
दोनों हाथों को फैलाकर
हाथ मिलाएँ–ताकधिना!
ओहोहो, हम सब कितने हैं
सब आ जाएँ–ताकधिना,
ताली दे–देकर के नाचें
मिलकर गाएँ–ताकधिना!
एक साथ ही पाँव उठेंगे
नीचे, ऊपर–ताकधिना,

एक साथ गोला घूमेगा
चक्कर खाकर–ताकधिना!
ताली देते, हाथ मिलाते
पाँव चलाते–ताकधिना,
एक बड़े घेरे में हम सब
आते, जाते–ताकधिना
कितना नाचे, कितना गाया
धूम मचाई–ताकधिना,
कल फिर सब नाचें, गाएँगे
आना भाई–ताकधिना!

–श्री प्रसाद

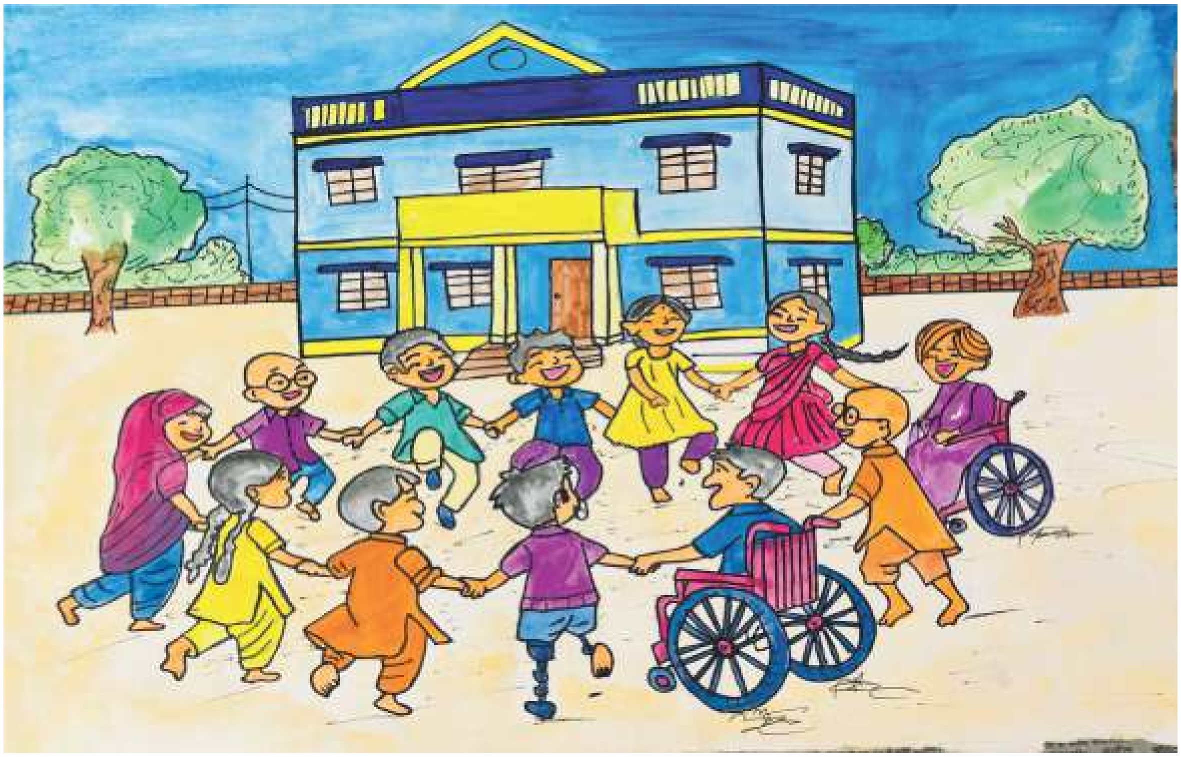

अभ्यास कार्य

आओ बातचीत करें –

1. आप अपने दोस्तों के साथ कौन–कौनसे खेल खेलते हो ?
2. खेल खेलने में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? अपने किसी एक मनपसंद खेल के बारे में बताइए।
3. कक्षा को सजाना, प्रार्थना–सभा, बाल–सभा आदि समूह में की जाने वाली गतिविधियाँ हैं जिनमें सबको एक साथ मिलकर काम करना होता है। आपको कौनसी समूह गतिविधि अच्छी लगती है, उनमें कौन–कौनसी समस्याएँ आती हैं ? अपने अनुभव बताओ।

सोचो और लिखो–

1. कविता में कौनसा शब्द बार–बार आ रहा है ?

   (क) धीनकाधिना (ख) चलधिना

   (ग) ताकधिना (घ) खेलधिना ( )

2. कविता में क्या करने के लिए कहा जा रहा है ?

   (क) नींद के लिए (ख) नाचकर खेलने के लिए

   (ग) पढ़ने के लिए (घ) खीर खाने के लिए ( )

खेलों की सूची बनाओ –

स्कूल में खेले जाने वाले खेल	घर में खेले जाने वाले खेल (इनडोर)	घर से बाहर खेले जाने वाले खेल (आउटडोर)

- कविता में बच्चे क्या-क्या कर रहे हैं ? पहचानकर लिखिए -

  जैसे- नाचें ...., ..., ...

भाषा की बात

मावली में मेला लगा। किरण, आशा, राजू और अरुण मेले में गए। मेले में मिठाई की दुकान पर जलेबी, मावा और रबड़ी मिल रही थी और उसके पास कचोरी, पकौड़ी और नमकीन भी थी। मिठाई खाकर सब झूला झूले। फिर किरण ने खिलौनों की दुकान से ट्रैक्टर खरीदा, आशा ने पुस्तक, राजू ने बाँसुरी और अरुण ने गेंद ली। इसके बाद वे अपनी-अपनी साइकिल से घर आ गए।

1. इनमें नाम वाले शब्द छाँटकर लिखिए-

व्यक्ति का नाम	**स्थान का नाम**	**वस्तु का नाम**
....	....	....
....	....	....
....	....	....

2. नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। इनमें कुछ शब्दों को गहरा काला किया गया है, ऐसे शब्दों को नीचे दी गई सारणी में लिखें। पहली सारणी में एकवचन के लिए आए शब्द लिखिए; दूसरी सारणी में बहुवचन के लिए आए शब्दों को लिखिए-

लड़का खेल रहा है। **बगुले** खेत में खड़े हैं। **बकरियाँ** जंगल में चर रही हैं।

खिलौना सुंदर है। मुझे **खिलौने** पसंद हैं। **कचोरियाँ** ठंडी हो रही हैं।

एक के लिए	एक से ज्यादा के लिए

रचनात्मक कार्य –

इस चित्र को देखकर एक कहानी बनाकर लिखिए –

एक दिन मैं अपने मामा के घर गया।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

यह भी करें –

1. कविता में 'ताकधिना' शब्द बार–बार आया है। 'ताकधिना' शब्द की जगह 'मनचंगा' शब्द रखकर फिर से पढ़िए। इसी तरह इसकी जगह अलग–अलग शब्द रखकर कक्षा में सुनाइए –

गोला बनाकर आओ नाचें

झूमें गाएँ–ताकधिना, **मनचंगा**

दोनों हाथों को फैलाकर

हाथ मिलाएँ– ताकधिना, **मनचंगा**

ओ हो हो, हम सब कितने हैं

सब आ जाएँ– ताकधिना, **मनचंगा**

2. समय प्रबंधन –

1. पाँच विद्यार्थियों का एक समूह बनाओ।

2. तय करो कि कौनसा विद्यार्थी किस क्रम में कौनसा कार्य करेगा (गोला बनाना, ताली बजाना, नाचना, गाना आदि)।

3. सभी को समय पर सही क्रम में कार्य करने के लिए प्रेरित करो।

4. अंत में चर्चा करो कि समय का सही उपयोग करने से नाचना और गाना अधिक मजेदार कैसे बना।

3. कविता को हाव–भाव से गाते हुए ताकधिना खेल खेलें –

1. सभी विद्यार्थी गोल घेरे में खड़े हों।

2. कविता पढ़ते समय पहले ताली बजाएँ।

3. फिर हाथ मिलाएँ।

4. एक साथ पाँव उठाएँ और नीचे रखें।

5. एक साथ गोल घूमें।

अंत में सब मिलकर 'ताकधिना' बोलें और खुशी मनाएँ।

शिक्षक निर्देश : व्याकरण प्रकरण की समझ विकसित करने हेतु शिक्षक विद्यार्थियों के साथ चर्चाकर आवश्यकतानुसार सहायता करें।

अध्याय - 6

मेरी किताब कहाँ है?

Z3P7W8

बच्चों की दुनिया बड़ी रोचक, काल्पनिक और मजेदार होती है जिसमें कुछ भी हो सकता है। जैसे- पेड़ पर आइसक्रीम लग सकती है तो कभी मछली भी उड़ जाती है। अपने आसपास बिल्ली को चूहे के पीछे कई बार लपकते हुए देखकर जब बच्चों ने जिज्ञासावश गुरुजी से इसका कारण पूछा तो गुरुजी ने उन्हें एक ऐसी ही कल्पना आधारित रोचक कहानी सुनाई 'मेरी किताब कहाँ है ?'

तो बात तब की है जब बिल्ली, चूहा, बंदर और खरगोश सभी मिल-जुलकर रहते थे। सभी घरों के बच्चे एक ही स्कूल में पढ़ते थे। सुबह के समय सभी बच्चे साथ-साथ स्कूल जाते और शाम को साथ ही लौटते। स्कूल से लौटने के बाद वे शाम को आम के बगीचे में तरह-तरह के खेल खेलते थे।

सभी मिल-जुलकर त्योहार मनाते। एक-दूसरे के घर होने वाले कार्यक्रमों में सब मिलकर धमाल मचाते। चाहे जन्मदिन हो या कोई और खुशी का अवसर, वे बढ़-चढ़कर उसमें भाग लेते और एक-दूसरे को उनकी पसंद का उपहार भी देते।

बिल्ली का जन्मदिन आया। सभी ने उसे कोई न कोई उपहार दिया। खरगोश ने रंगों का डिब्बा, चूहे ने पेन और बंदर ने एक सुंदर चित्रों वाली किताब दी। वह किताब बिल्ली को बहुत पसंद आई। वह उसे सबसे छिपाकर रखती थी क्योंकि उसे डर था कि कोई उसे चुरा न ले।

एक दिन शाम को चूहा बिल्ली के घर आया। बिल्ली उसी किताब को पढ़ रही थी। वह किताब मेज पर छोड़कर चूहे के लिए अखरोट लाने चली गई। चूहा उत्सुकतावश किताब को उलट-पलटकर देखने लगा। तभी बिल्ली वापस आ गई। चूहे ने झटपट किताब मेज पर रख दी।

बिल्ली ने कहा, ''देखो-देखो! कितनी अच्छी किताब है।''

चूहे ने कहा, ''मैंने देख लिया, सचमुच बहुत प्यारी किताब है। क्या तुम मुझे इसे एक-दो दिन के लिए पढ़ने दोगी? मैं इसे पढ़कर लौटा दूँगा।''

बिल्ली बोली, ''ना बाबा ना! तुम्हारा कोई भरोसा नहीं है, कहीं इसे गुम न कर दो।''

चूहे ने विश्वास दिलाते हुए कहा, ''नहीं-नहीं, तुम मुझ पर विश्वास करो। मैं दो दिन में इसे लौटा दूँगा।''

चूहे को गिड़गिड़ाते देखकर बिल्ली को दया आ गई। उसने किताब देते हुए कहा, ''ठीक है लेकिन याद रखना, यह किताब मुझे परसों वापस चाहिए।''

चूहा खुशी-खुशी किताब लेकर घर गया। उसने अपने बाकी दोस्तों को भी वह किताब दिखाई। सभी ने कहा, ''कितनी सुंदर किताब है!''

वे किताब को देखने के लिए आपस में खींचतान करने लगे जिससे किताब के पन्ने फट गए और वह चीथड़े-चीथड़े हो गई। किताब की यह हालत देखकर चूहा बहुत दुखी हुआ और रोने लगा। वह कई दिनों तक स्कूल नहीं गया।

एक दिन बिल्ली उसके घर आई। उसे देखते ही चूहा इधर-उधर भागने लगा। बिल्ली अपनी किताब के बारे में पूछती रही लेकिन चूहा जवाब देने के बजाय दौड़ता रहा। बिल्ली जितना उसके पास जाने की कोशिश करती चूहा उतना ही दूर भागता।

आखिरकार बिल्ली दौड़ते-दौड़ते थक गई लेकिन चूहा तब भी भागता ही रहा।

तब से आज तक जब भी बिल्ली चूहे को देखती है, वह उसकी किताब के बारे में पूछती है और चूहे के पीछे भागती है।

अभ्यास कार्य

आओ बात करें -

1. बिल्ली को कौनसा उपहार सबसे अधिक पसंद आया और क्यों?
2. चूहे ने बिल्ली से किताब लेने के लिए क्या-क्या किया?
3. आज भी बिल्लियाँ चूहों के पीछे भागती हैं क्या इसका कारण 'किताब' ही है या दूसरा कारण भी हो सकता है? सोचो और बताओ।

सोचो और लिखो –

1. नीचे दिए गए वाक्यों के लिए सही शब्द का चयन करके रिक्त स्थान पर लिखिए–
   (खींचतान, गिड़गिड़ाने, विश्वास, उपहार)

   क. सुमन दीदी ने मेरे जन्मदिन पर साइकिल .... में दी।

   ख. हमें अपने माता–पिता की बातों पर .... करना चाहिए।

   ग. प्राची और नवीन खिलौने के लिए आपस में .... करने लगे।

   घ. चूहा किताब के लिए बिल्ली के सामने .... लगा।

2. बिल्ली चूहे पर पहले विश्वास क्यों नहीं कर रही थी ?
3. अगर आप चूहे की जगह होते तो किताब को सुरक्षित रखने के लिए क्या करते ?
4. अगर चूहे के सभी दोस्त किताब से खींचतान करने के बजाय मिलकर पढ़ते तो क्या होता ?

भाषा की बात –

बिल्ली का जन्मदिन था। हर किसी ने उसे कोई न कोई उपहार दिया। खरगोश ने रंगों का डिब्बा, चूहे ने पेन और बंदर ने एक सुंदर चित्रों वाली किताब दी। वह किताब बिल्ली को बहुत पसंद आई। वह उसे सबसे छिपाकर रखती थी क्योंकि उसे डर था कि कोई उसे चुरा न ले।

1. गद्यांश में से संज्ञा और सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए –

संज्ञा	सर्वनाम

2. नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए –

शब्दों को बहुवचन में बदलो		शब्दों को एकवचन में बदलो	
किताब		बिल्लियाँ	
उपहार		चित्रों	
चूहा		दोस्तों	
बंदर		बच्चों	

3. रिक्त स्थान पर एकवचन या बहुवचन में सही शब्द चुनकर लिखिए–

(क) चूहा और खरगोश अच्छे .... (मित्र/मित्रों) थे।

(ख) बिल्ली ने सुंदर .... (किताब/किताबें) रखी थी।

(ग) बंदर ने चूहे को .... (उपहार/उपहारों) में पेन दिया।

(घ) खरगोश ने रंगों का .... (डिब्बा/डिब्बे) खरीदा।

4. निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग और पुल्लिंग छाँटकर लिखिए–

(लड़का, हथिनी, चूहा, बंदरिया, मोर, घोड़ी, शेर, लेखक)

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग

5. निम्नलिखित वाक्यों में से भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य काल छाँटकर लिखिए –

1. स्नेहा खाना खा रही है।
2. पक्षी आसमान में उड़ रहे थे।
3. विकास कबड्डी खेलेगा।

रचनात्मक कार्य –

1. यदि आप बिल्ली की जगह होते तो अपनी किताब लेने के लिए क्या–क्या करते ?

2. किताब के ऊपर बिल्ली और चूहे के बीच बातचीत हो रही है। इस बातचीत को आगे बढ़ाओ –

   बिल्ली– मेरी किताब कहाँ है ?

   चूहा– मैंने गलती कर दी, मुझे माफ कर दो।

   बिल्ली– ....

   चूहा– ....

   बिल्ली– ....

   चूहा– ....

यह भी करें –

1. नीचे दिए गए वाक्य अलग–अलग तरह से बोलकर दोहराओ–

   जैसे– बिल्ली ने कहा, ''देखो–देखो ! कितनी अच्छी किताब है।''

   बिल्ली ने कहा, ''कितनी अच्छी किताब है ! देखो–देखो !''

   चूहे ने कहा, ''मैं दो दिन में लौटा दूँगा।''

2. आप अपनी पसंद के बारे में साथियों से बातचीत करें।

   जैसे– मुझे पुस्तक पढ़ना सबसे अधिक पसंद है।

   मुझे खेलना सबसे अधिक पसंद है।

शिक्षक निर्देश– शिक्षक व्याकरण प्रकरण पर विद्यार्थियों की समझ विकसित करने के लिए चर्चा करें एवं आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पढ़ने के लिए -

कितनी अच्छी एक किताब
ज्ञान बढ़ाती, राह दिखाती
पूरे करती मन के ख्वाब
कितनी अच्छी एक किताब

दुनियाभर का ज्ञान है इसमें
गणित और विज्ञान है इसमें
इसको तुम भी पढ़ो जनाब
कितनी अच्छी एक किताब

मन बहलाती, सीख सिखाती
हर मुश्किल में साथ निभाती
महके जैसे फूल गुलाब
कितनी अच्छी एक किताब

अध्याय - 7

रंग-बिरंगे मौसम

भारत एक विशाल और सुंदर देश है जहाँ सालभर अलग–अलग मौसम आते हैं। हमारे देश में मुख्य रूप से तीन मौसम होते हैं– गर्मी, बारिश और सर्दी। इन तीनों मौसम की अपनी विशेषताएँ हैं जो हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं।

गर्मी का मौसम बहुत तेज धूप और गर्मी लेकर आता है। इस मौसम में सूरज की किरणें धरती

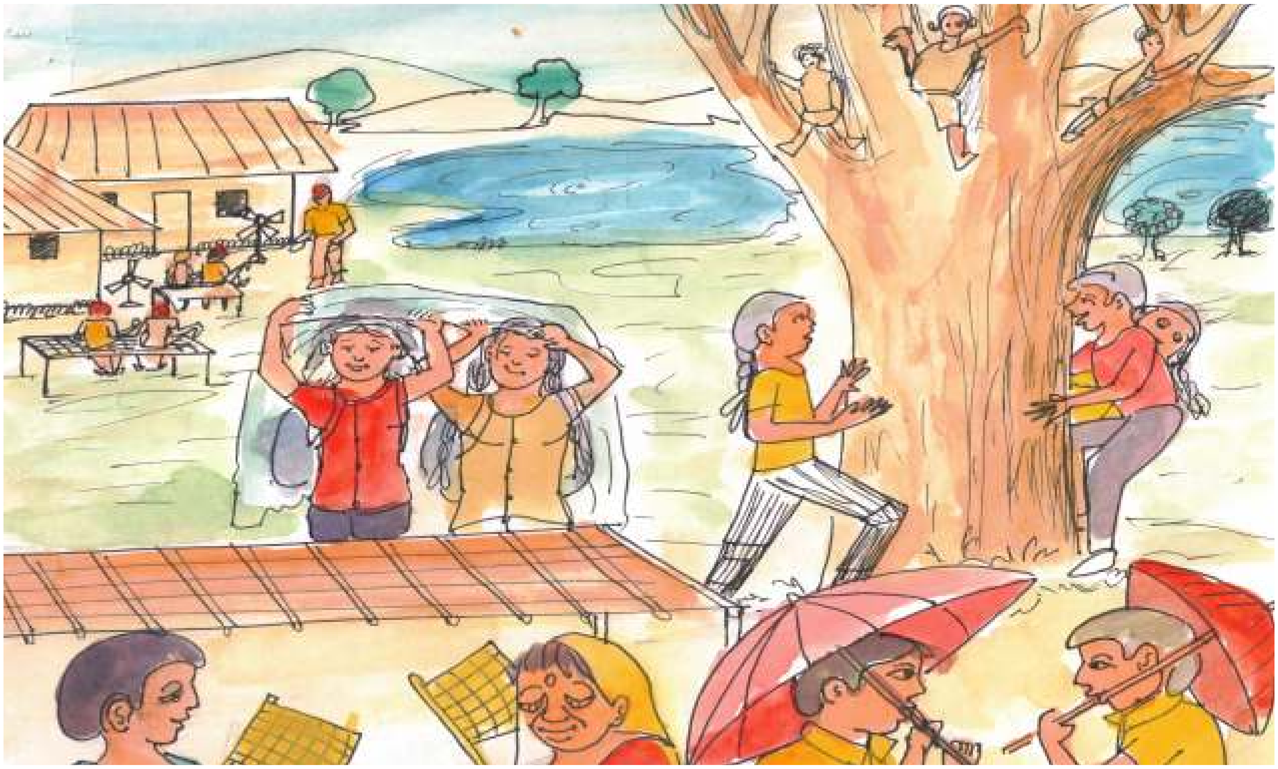

को तप्त कर देती है। दोपहर में बाहर निकलना कठिन हो जाता है। हम पंखे, कूलर और ठंडे पेय पदार्थों का उपयोग करते हैं। इस मौसम में आम, तरबूज और खीरा–ककड़ी जैसे फल लाभदायक होते हैं। हालाँकि इस मौसम में कभी–कभी लू भी चलती है जिससे सावधान रहना जरूरी होता है। गर्मी के मौसम में प्रमुख त्योहारों में होली, बैसाखी, ईद और रथ यात्रा शामिल हैं।

गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आती है जो हमारी धरती को ठंडक और नई ताजगी प्रदान करती है। बादल छा जाते हैं, बिजली चमकती है और बारिश की बूँदें धरती पर गिरती हैं। खेतों में हरियाली छा

जाती है, नदियों और तालाबों में पानी भर जाता है और किसान बहुत खुश होते हैं। हम बारिश में भीगने का मजा लेते हैं, कागज की नाव बनाकर पानी में तैराते हैं और गरमा-गरम पकौड़ियों का आनंद लेते हैं। हालाँकि कभी-कभी अधिक बारिश से बाढ़ भी आ सकती है जिससे नुकसान हो सकता है। इस मौसम में ताजे भुट्टे, पकौड़ियाँ और चाय का विशेष आनंद लिया जाता है। वर्षा ऋतु में तीज, रक्षाबंधन और जन्माष्टमी जैसे त्योहार मनाए जाते हैं।

सर्दी का मौसम ठंडक लेकर आता है। इस मौसम में हम ऊनी कपड़े पहनते हैं और गर्म भोजन का आनंद लेते हैं, जैसे - गाजर का हलवा, तिल-गुड़ के लड्डू और मूँगफली। पहाड़ों पर बहुत अधिक बर्फ गिरती है जिससे वहाँ का दृश्य बहुत सुंदर हो जाता है। ठंडी हवाएँ चलती हैं और सुबह के समय कोहरा छा जाता है। यह मौसम बहुत सुहावना लगता है और हमें ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनने पड़ते हैं। सर्दी के मौसम में दीपावली, क्रिसमस, लोहड़ी और मकर संक्रांति जैसे त्योहार मनाए जाते हैं।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ तीनों मौसम आते हैं। हर मौसम का अपना महत्व और आनंद है। गर्मी हमें धैर्य सिखाती है, बारिश नई ऊर्जा लाती है और सर्दी आरामदायक माहौल देती है। हर मौसम में हमारा पहनावा, खानपान और त्योहार बदल जाते हैं जो हमारे देश की विविधता को दर्शाते हैं।

हमें अपने देश के इन सुंदर मौसमों का आनंद लेना चाहिए और प्रकृति का ध्यान रखना चाहिए।

अभ्यास कार्य

आओ बात करें –

1. पाठ में कौन–कौनसे मौसम / ऋतु की बात की गई है ?
2. ज्यादा बारिश होने पर क्या–क्या परेशानियाँ होती हैं ?

सोचो और लिखो–

1. गर्मी के मौसम में लू से बचने के लिए इनमें से आप क्या करेंगे ? उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

   (क) दोपहर में बाहर नहीं निकलेंगे ( )

   (ख) गीले कपड़े पहनेंगे ( )

   (ग) तेज धूप में घूमेंगे ( )

2. अगर बारिश के कारण स्कूल जाने में देर हो रही हैं तो इनमें से आप क्या करेंगे ?

   (क) बिना छाते के ही भीगते हुए जाएँगे ( )

   (ख) समय से पहले निकलेंगे और छाता साथ रखेंगे ( )

   (ग) घर पर ही रुक जाएँगे ( )

3. सर्दी के मौसम में सुबह जल्दी उठने के लिए क्या करेंगे ?

   (क) रात को जल्दी सोएँगे। ( )

   (ख) सोते समय अलार्म लगाएँगे। ( )

   (ग) सुबह जल्दी उठकर ठंडे पानी से नहाएँगे। ( )

4. गर्मी की छुट्टियों मे आप क्या–क्या नया काम करते हैं ?
5. अलग–अलग मौसम में काम में ली जाने वाली वस्तुओं के बारे में लिखो–

वस्तु / मौसम	गर्मी	बरसात	सर्दी
फल	आम …… …….		
कपड़े			

6. चित्र देखकर मौसम का पता लगाइए और उस मौसम से जुड़ी चार–पाँच बातें लिखिए–

1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

7. इन शब्दों को आपके घर की भाषा में क्या कहते हैं ? लिखिए–

(1) बरसात (2) बादल (3) सर्दी (4) धूप

यह भी करें–

1. बारिश पर दी गई इस कविता को आगे बढ़ाओ–

गरज–गरजकर बरसे बादल।

उमड़ –उमड़कर बरसे ....

ठंडी हवा में ....

आसमान ....

.... बादल।

2. शिक्षक और दोस्तों की मदद से इंद्रधनुष का चित्र बनाएँ एवं रंग भरें।

3. नीचे दिए गए कार्यों को मौसम के अनुसार बाँटें–

कार्य	किस मौसम में यह करेंगे
पिकनिक पर जाना	
सुबह की सैर पर जाना	
गर्म कपड़े पहनना	
गरमा–गरम चाय और पकौड़ों का आनंद लेना	
छाता लेकर निकलना	
आम जूस, नींबू पानी, केरी पानी का आनंद लेना	

भाषा की बात –

1. नीचे दिए गए शब्दों को सही स्थान पर लिखिए– **(सूरज, बारिश, पानी, खेल)**
   1. .... से भाप निकलती है।
   2. .... में हमें छाता चाहिए।
   3. .... आसमान में चमकता है।
2. नीचे दिए गए वाक्यों में लिंग बदलकर लिखिए।
   जैसे– लेखक कहानी लिख रहा है। लेखिका कहानी लिख रही है।
   1. लड़की दौड़ रही है। ....
   2. गाय घास खा रही है। ....
   3. आदमी पौधे लगा रहा है।..
   4. शेर दौड़ रहा है। ....
3. दिए गए वाक्यों के वचन बदलकर लिखिए–
   1. तोता पेड़ पर फल खा रहा है।..
   2. पंखा चल रहा है। ....

शिक्षक निर्देश– शिक्षक व्याकरण प्रकरण पर विद्यार्थियों की समझ विकसित करने के लिए चर्चा करें।

अध्याय - 8

मैं स्कूल कब जाऊँगी?

E9W4Q1

मुनिया के पापा अखबार पढ़ रहे थे। छह महीने की मुनिया ने अपना नन्हा हाथ हवा में लहराया। अखबार का एक कोना पकड़ लिया। दूसरे ही क्षण उसे मुट्ठी में भींच लिया।

मुनिया के पापा खुश थे। वह चिल्लाए–''ओह! तो मेरी मुनिया पढ़ेगी। स्कूल जाएगी ?''

मुनिया मुस्कुराई। उसने ना में सिर हिला दिया। उसके पापा फिर बोले–''अरे! मुनिया तो मेरी बात समझ रही है। मना कर रही है। कोई बात नहीं। आज नहीं तो कल मुनिया जी को स्कूल तो जाना ही पड़ेगा।''

अब मुनिया के पापा उसे हर रोज कहानियाँ सुनाते। मुनिया ध्यान से कहानी सुनती। ऐसा लगता जैसे वह हर शब्द को समझ रही है।

मुनिया नौ माह की हो गई थी। एक दिन वह अपने पापा के साथ खेल रही थी। उसके पापा ने कहा–''मेरी मुनिया अब तो स्कूल जाएगी न ?''

मुनिया ने ना में सिर हिलाया। ऐसा लगा जैसे वह स्कूल नहीं जाना चाहती थी। मुनिया के हाव–भाव देखकर उसके पापा परेशान हो गए।

अब मुनिया एक साल की हो गई थी। मुनिया खुद रंग–बिरंगी किताबों को पलटने लगी थी। वह अखबार के रंगीन चित्रों को ध्यान से देखने लगी थी। प्राय: मुनिया अखबार के पन्ने चिंदी–चिंदी कर डालती।

एक दिन उसके पापा ने फिर कहा–''मुनिया स्कूल जाएगी न?'' मुनिया ने पीछे मुड़कर देखा और ठुमक–ठुमककर रसोई की ओर भाग गई।

अब मुनिया दो साल की हो चुकी थी। एक दिन मुनिया के पापा उसके लिए रंगीन किताबें लेकर आए। वह किताबों को गौर से देखने लगी। उनके पन्ने पलटने लगी। अब वह अपने पापा को पढ़ते हुए देखती और मुस्कुराती रहती। मुनिया किताबों को उलटती–पलटती। उनके साथ खेलती। मुनिया के पापा उसे जो भी कहानी सुनाते वह ध्यान से सुनती।

एक दिन उसके पापा ने फिर कहा–''मेरी मुनिया। अब तो स्कूल जाएगी। है ना?''

यह सुनकर मुनिया रोने लगी। जोर–जोर से रोने लगी। बहुत देर तक रोती रही। बड़ी मुश्किल से चुप हुई।

तीन साल की मुनिया अब तो सवाल पर सवाल करने लगी थी। हर वस्तु को अपने हाथ से पकड़ना चाहती थी। नई वस्तु को छूना कभी नहीं भूलती। मुनिया अब खेलते–खेलते तुतलाती हुई गीत भी गुनगुनाने लगी थी। वह हर बात को खुद ही समझने की कोशिश करने लगी थी।

चार साल की मुनिया ने एक दिन कहा–''पापा! आज मैं आपको एक कहानी सुनाती हूँ।''

मुनिया सोच-सोचकर मनगढ़ंत कहानी पापा को सुनाती रही। मुनिया के पापा हँस रहे थे और सिर हिलाते जा रहे थे। वह कई बार पापा को छोटी-छोटी कहानियाँ सुनाने लग जाती। मुनिया के पापा उसे नई-नई बातें बताते। सूरज के बारे में, चंदा के बारे में। धरती की कहानियाँ सुनाते। चूहा-बिल्ली, गाय-भैंस, शेर-बकरी की आवाजें निकाल-निकालकर हँसाते।

हँसती-खेलती मुनिया अब पाँच साल की हो गई थी। अब तो वह पापा के साथ गीत गाने लगी थी। सवाल पूछने लगी थी। पापा! चॉकलेट पेड़ पर क्यों नहीं उगती? सूरज रात को क्यों नहीं आता? चंदा घटता-बढ़ता क्यों है? दूध उबलकर नीचे गिर जाता है लेकिन पानी क्यों नहीं? मुनिया के पास ढेरों सवाल थे जिनका जवाब वह चाहती थी।

छह वर्ष की होते-होते मुनिया की जिज्ञासा और स्कूल जाने की इच्छा बहुत बढ़ गई थी।

मुनिया ने एक दिन कहा–''पापा! मैं स्कूल कब जाऊँगी?''

मुनिया के पापा यही तो सुनना चाहते थे। उन्होंने मुनिया को गोद में उठा लिया। वह लट्टू की तरह घूमने लगे। हँसते हुए कहने लगे- ''आज ही। आज ही। आज ही।''

–मनोहर चमोली

अभ्यास कार्य

आओ बात करें –

1. मुनिया स्कूल जाने के लिए कब तैयार हुई?
2. आप घर में स्कूल की क्या-क्या बातें करते हैं?
3. मुनिया के पापा उसको स्कूल क्यों भेजना चाहते होंगे?

सोचो और लिखो –

1. बहुविकल्पात्मक प्रश्न –

(क) मुनिया के पापा अखबार पढ़ते समय किस बात पर खुश हुए ?

(क) मुनिया ने अखबार के पन्ने पलटने शुरू कर दिए।

(ख) मुनिया ने अखबार का कोना पकड़ लिया।

(ग) मुनिया ने अखबार पढ़ना शुरू कर दिया।

(घ) मुनिया ने पापा से सवाल पूछना शुरू कर दिया। (   )

(ख) मुनिया किस उम्र में सवाल पूछने लगी थी ?

(क) तीन साल (ख) चार साल

(ग) पाँच साल (घ) छह साल (   )

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

(कहानी, चॉकलेट, कोना)

(क) मुनिया ने अखबार का .... पकड़ लिया।

(ख) मुनिया के पापा उसे .... सुनाते थे।

(ग) मुनिया ने पूछा – ''पापा, ... पेड़ पर क्यों नहीं उगती ?''

रचनात्मक प्रश्न-

1. यदि आप मुनिया की जगह होते तो पापा से क्या-क्या पूछते ?
2. जब आप पहली बार स्कूल आए थे तो आपको कैसा लगा ? चार-पाँच पंक्तियों में लिखिए।
3. पुस्तकालय से बाल पत्रिका पढ़कर उसमें से साथियों से प्रश्न पूछें।
4. अपने सहपाठियों के साथ मिलकर विद्यालय का चित्र बनाइए।

भाषा की बात–

1. वाक्य को सही क्रम में जमाएँ–

   (क) पढ़ाई / को / मुनिया / पसंद / थी।

   (ख) पापा / रोज / उसे / सुनाते / थे / कहानी।

2. निम्नलिखित शब्दों को आपकी भाषा में क्या कहते हैं ?

   (क) पढ़ाई .... (ख) पापा ....

   (ग) कहानी .... (घ) चूहा ....

   (ङ) बिल्ली ....

3. दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

   रवि एक होनहार लड़का है। वह रोज सुबह जल्दी उठता है और बगीचे में जाता है। वहाँ कई तरह के सुंदर फूल खिले होते हैं। उसकी माँ उसे स्कूल के लिए तैयार करती है। स्कूल में वह अपने दोस्तों के साथ खेलता और पढ़ाई करता है। सभी शिक्षक उसे बहुत पसंद करते हैं क्योंकि वह मेहनती और ईमानदार है।

   (क) अनुच्छेद में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखो।

   (ख) अनुच्छेद में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखो।

   (ग) अपने किसी दोस्त के बारे में तीन वाक्य लिखो जिनमें संज्ञा और सर्वनाम दोनों हो।

आकलन-II

मौखिक अभिव्यक्ति -

1. चित्र देखकर बताओ कि चित्र में क्या हो रहा है? इसी मौसम से जुड़ी एक और घटना सुनाओ।

2. आप स्कूल में कई खेल खेलते होंगे, जैसे- कबड्डी, सतोलिया या क्रिकेट। यह बताओ कि इन्हें कैसे खेलते हैं?
3. सर्दी, गर्मी या बारिश के मौसम से जुड़ी कोई कविता या गीत सुनाइए।

पढ़कर समझना -

1. दी गई कहानी को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

रोहित को पढ़ने का बहुत शौक था। एक दिन वह पुस्तकालय से अपनी पसंदीदा कहानी की

किताब लेकर आया। घर पहुँचते ही वह किताब पढ़ने में इतना डूब गया कि उसे समय का पता ही नहीं चला। अगले दिन जब वह विद्यालय जाने लगा तो किताब कहीं नहीं मिली। उसने पूरे घर में ढूँढ़ा मेज, बैग, आलमारी हर जगह। फिर मम्मी ने हँसते हुए कहा, ''तकिए के नीचे देखो।'' रोहित दौड़कर गया और सच में किताब वहीं थी। उसने मुस्कुराते हुए किताब बैग में रखी और सोचा, अब से किताबें सही जगह ही रखूँगा।

1. रोहित ने किताब कहाँ रख दी थी ?
2. रोहित ने किताब कहाँ–कहाँ ढूँढ़ी ?
3. रोहित ने पुस्तकालय से अपनी मनपसंद किताब ली। सोचकर बताओ कि उस किताब का नाम क्या होगा ?
4. इस कहानी का नाम सोचिए और लिखिए।
5. आपने पुस्तकालय की कौन–कौनसी किताबें पढ़ी हैं ? यहाँ उनके नाम लिखिए।

2. दिए गए शब्दों को आपके घर की भाषा में क्या कहते हैं ? लिखिए –

मनपसंद ....

ढूँढ़ा ....

मुस्कुराना ....

3. दी गई मात्रा से बने शब्द पाठ में से खोजकर लिखिए –

पाठ का नाम	मात्रा	शब्द
ताकधिना	ि	
मेरी किताब कहाँ है	ृ	
रंग–बिरंगे मौसम	ौ	
मैं स्कूल कब जाऊँगी	ू	

भाषा की बात –

सुबह का सूरज अपनी सुनहरी किरणों से पूरे आसमान को जगाने में लगा था। बच्चे पार्क में

खेल रहे थे जबकि एक बच्ची अपने खिलौने के साथ खेल रही थी। पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे और एक कौआ पास रखी रोटी पर नजर गड़ाए था। अचानक एक लड़का भागता हुआ आया और अपने मित्रों के साथ झूले पर बैठ गया तभी एक महिला अपने बच्चों को बुलाने लगी। सभी हँसते–खेलते घर की ओर चल दिए और पार्क फिर से सुनसान हो गया।

इस अनुच्छेद को पढ़कर स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्द छाँटिए और नीचे दी गई तालिका में लिखिए –

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग

रचना करें– अपना मनपसंद चित्र बनाइए और उसके बारे में पाँच वाक्य लिखिए–

1. ....

2. ....

3. ....
....
....

4. ....
....
....

5. ....
....
....

सोचो और लिखो-

1. 'ताकधिना' कविता से क्या शिक्षा मिलती है ?
2. बिल्ली ने चूहे को पुस्तक देते हुए क्या कहा ?
3. 'रंग-बिरंगे मौसम' पाठ के अनुसार मौसमों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
4. मुनिया के पापा उसके लिए रंगीन किताबें कब लेकर आए ?
5. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए -

किताब ....

पुस्तकालय ....

मौसम ....

लाभदायक ....

C4R3F4

अध्याय - 9

बूँद-बूँद की रखवाली

राजस्थान में पानी की कमी हमेशा से एक बड़ी समस्या रही है। खासकर गर्मियों में यहाँ के कई गाँव सूखे की चपेट में आ जाते हैं जिससे लोगों को पीने के पानी तक के लिए संघर्ष करना पड़ता है लेकिन कुछ साहसी महिलाओं ने अपने गाँव की इस परेशानी को खत्म करने के लिए आगे बढ़कर अनोखी मिसाल कायम की। यह कहानी है राजस्थान के एक गाँव की जहाँ महिलाओं ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से जल संकट का हल निकाला।

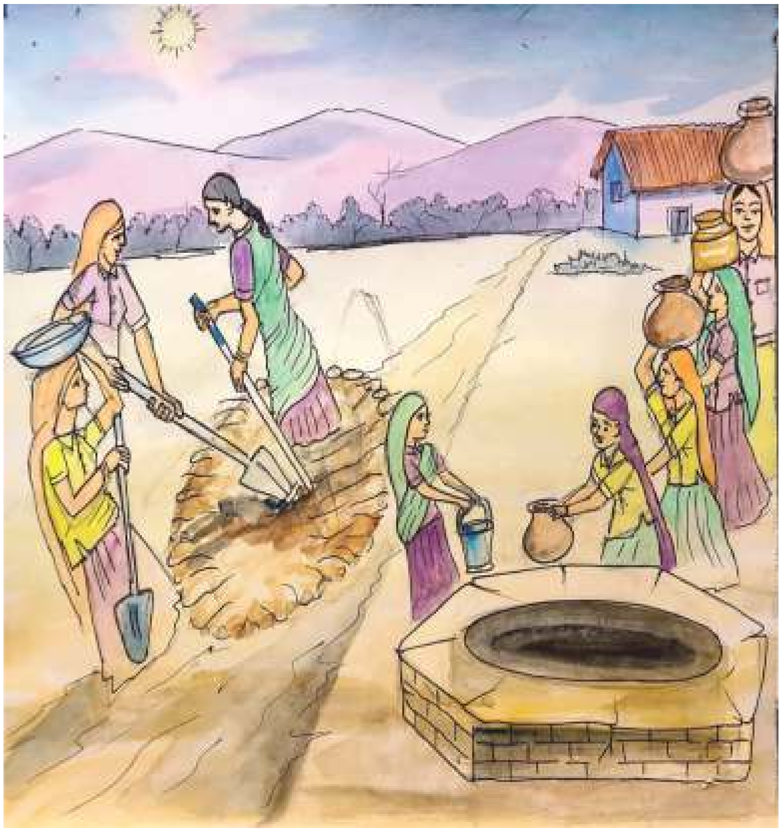

गाँव में हर साल गर्मियों के आते ही कुएँ सूख जाते थे और तालाबों में पानी नाममात्र का रह जाता था। गाँव की महिलाएँ कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर थीं। सुबह होते ही वे अपने सर पर घड़े रखकर निकलती और कई घंटे तक चलने के बाद मुश्किल से कुछ बाल्टी पानी ला पाती। इस कठिनाई ने गाँव की सुनिता देवी, गीता देवी और अन्य महिलाओं को सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे वे अपने गाँव में ही पानी का इंतजाम कर सके?

समाधान खोजने के लिए महिलाओं ने गाँव के बुजुर्गों से बातचीत की और पुराने जल संरक्षण उपायों के बारे में जाना। उन्हें पता चला कि पहले के समय में गाँवों में जोहड़ बनाए जाते थे जो वर्षा के पानी को रोककर भूजल स्तर बढ़ाने में मदद करते थे लेकिन समय के साथ उनकी देखभाल नहीं की गई और ये जोहड़ मिट्टी से भर गए थे। महिलाओं ने ठान लिया कि वे इन्हें फिर से जीवित करेंगी।

उन्होंने गाँव के पुरुषों से मदद माँगी लेकिन शुरुआत में बहुत से लोगों ने इसे बेकार की मेहनत बताया लेकिन जब महिलाओं ने खुद फावड़ा और तगारी उठाकर जोहड़ खोदना शुरू किया तो धीरे-धीरे गाँव के बाकी लोग भी उनके साथ जुड़ने लगे।

महिलाओं की यह मेहनत रंग लाई। जब पहली बार अच्छी बारिश हुई तो उनके बनाए जोहड़ों में पानी भर गया। धीरे-धीरे गाँव के कुएँ भी फिर से जल से भरने लगे। अगले साल जब गर्मी आई तो पहली बार गाँव की महिलाओं को दूर-दूर तक पानी लाने नहीं जाना पड़ा। गाँव में सिंचाई के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध होने लगा जिससे खेतों में फसलें लहलहाने लगी। यह देखकर गाँव के बाकी लोगों को भी समझ में आया कि जल संरक्षण का यह तरीका कितना उपयोगी है।

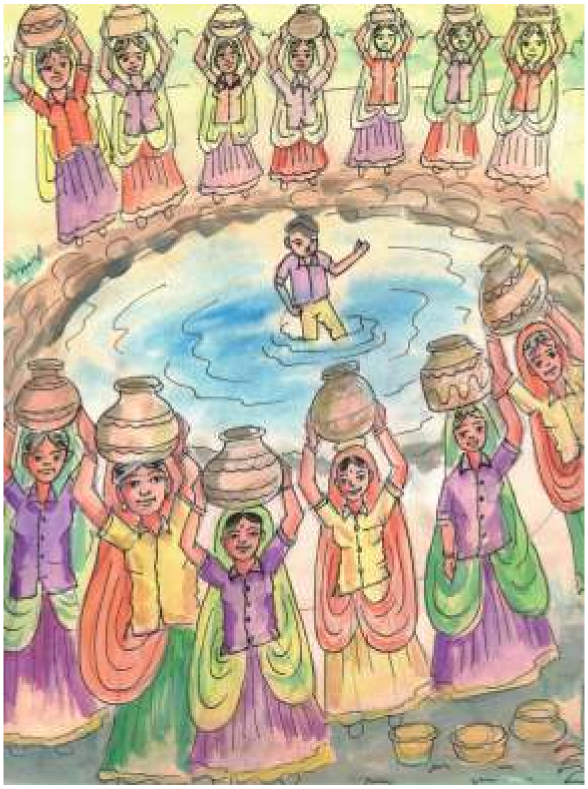

गाँव की महिलाओं ने अपनी मेहनत और एकजुटता से यह साबित कर दिया कि अगर ठान लिया जाए तो किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है। यह गाँव अपने आसपास के गाँवों के लिए जल संरक्षण की मिसाल बना और आसपास के गाँव भी इससे प्रेरणा लेकर अपने जल स्रोतों को सँवारने में जुट गए। यह कहानी हमें सिखाती है कि पानी सिर्फ एक संसाधन नहीं बल्कि जीवन का आधार है। अगर हम इसे बचाने के लिए समय रहते कदम उठाएँ तो

भविष्य में जल संकट से बचा जा सकता है। राजस्थान की इन कर्मठ महिलाओं ने अपने हौसले और दृढ़ निश्चय से यह दिखा दिया कि जब संकल्प मजबूत हो तब किसी भी समस्या का समाधान असंभव नहीं होता।

अभ्यास कार्य

आओ बात करें –

1. क्या आपके गाँव या शहर में पानी की कमी होती है ? अगर हाँ तो इसे दूर करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं ?
2. गाँव की महिलाओं ने पानी बचाने के लिए क्या–क्या प्रयास किए ?
3. क्या आपके आसपास भी पानी बचाने के लिए कभी कोई प्रयास किया गया है ? बताइए।

सोचो और लिखो–

(क) विकल्पात्मक प्रश्न–

1. गाँव की महिलाओं ने पानी बचाने के लिए क्या किया ?

   (क) कुआँ खोदा (ख) जोहड़ों की खुदाई की

   (ग) तालाब सूखने दिया (घ) दूसरे गाँव से पानी लाई ( )

2. गाँव के पुरुषों ने शुरू में महिलाओं की पानी बचाने की पहल का समर्थन क्यों नहीं किया ?

   (क) वे इसे बेकार की मेहनत मानते थे।

   (ख) वे जल संरक्षण के बारे में पहले से जानते थे।

   (ग) वे खुद ही पानी लाने जाते थे।

   (घ) सरकार ने उन्हें रोक दिया था। ( )

(ख) मिलान करें-

स्तंभ-I	स्तंभ-II
जोहड़	पानी बचाने के लिए पहल की
गाँव	वर्षा जल संचयन के लिए
सुनीता देवी	गाँव में पानी की समस्या
सूखे का परिणाम	राजस्थान में स्थित

(ग) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

1. गाँव की महिलाएँ पानी के लिए .... किलोमीटर तक पैदल जाती थी।
2. महिलाओं की यह .... रंग लाई।
3. गाँव की महिलाओं ने .... खोदकर जल संरक्षण किया।
4. जब पहली बार अच्छी .... हुई तो जोहड़ में पानी भर गया।

भाषा की बात-

1. निम्नलिखित वाक्यों में 'क्या' और 'कौन' लगाकर प्रश्न बनाइए -

   (क) महिलाएँ दूर से पानी लाती थी।

   (ख) विकास कबड्डी खेलता है।

2. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

   पानी ....

   गाँव ....

   मेहनत..

   सुबह..

3. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में जमाकर वाक्य बनाइए–

(क) मेहनत / महिलाओं की / लाई / रंग।

(ख) पहली / जब / बार / हुई / अच्छी बारिश।

रचनात्मक प्रश्न –

1. अगर आपके गाँव / शहर में जल की समस्या हो तो आप उसे हल करने के लिए क्या करेंगे ?
2. यदि आप सुनीता देवी की जगह होते तो पानी बचाने के लिए क्या करते ?
3. अगर गाँव के लोग पानी नहीं बचाते तो क्या होता ?
4. आपने अपने आसपास पानी को कहाँ–कहाँ बेकार बहते हुए देखा है ? पानी बचाने के लिए क्या–क्या करना चाहिए ? आपस में बातचीत कीजिए।
5. 'पानी बचाओ–जीवन बचाओ' इस विषय पर अपने दोस्तों के साथ मिलकर चित्र बनाइए और कक्षा में इसके बारे में चर्चा कीजिए।

पढ़ने के लिए –

पानी है अनमोल रे बंधु
पानी है अनमोल रे
जल बिन जीवन नहीं रहेगा
भूखा -प्यासा जीव मरेगा
अपनी आँखें खोल रे बंधु
पानी है अनमोल रे।

अध्याय - 10

मेला

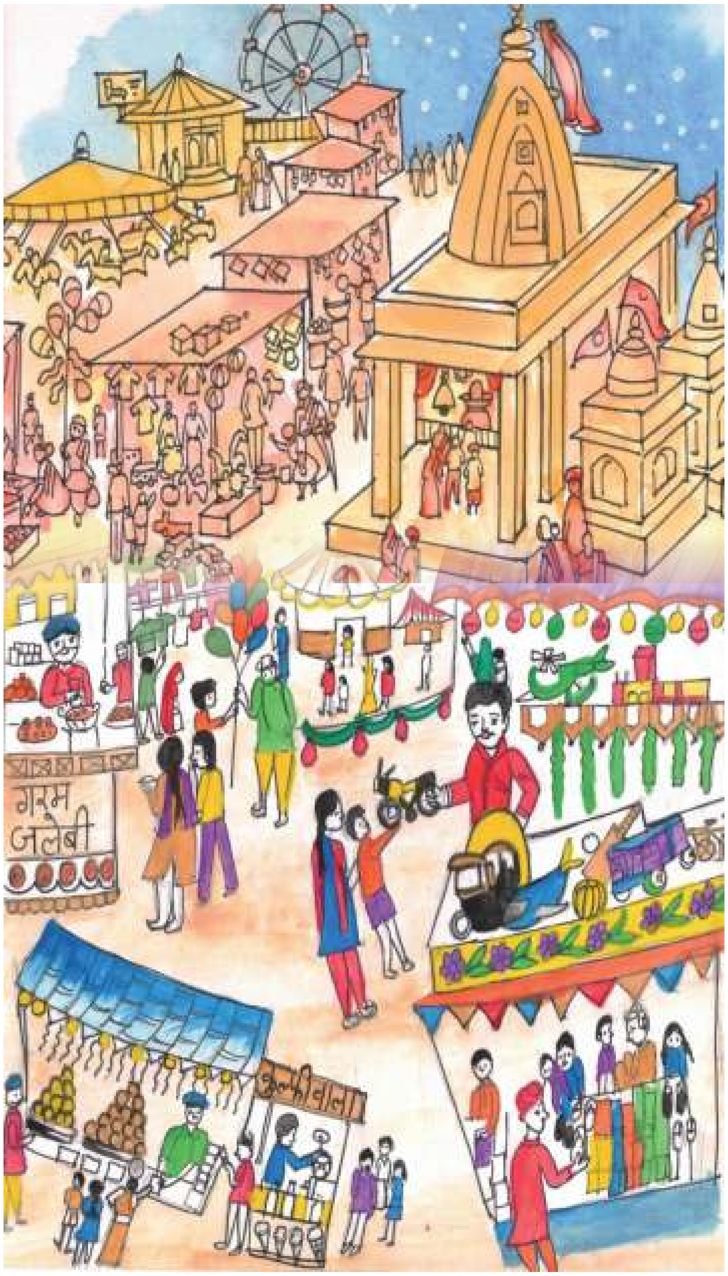

घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया चाट का ठेला।
हमने जाकर खाई चाट,
ऐसे थे मेले के ठाट।
घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया झूलेवाला।
हमने जाकर खाए झूले,
मन में नहीं समाये फूले।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें एक खिलौने वाला।
लाए जाकर चार खिलौने,
रंग-बिरंगे बड़े सलौने।
घर के पास लगा था मेला,
हमने देखा मन भर मेला।
गुड़िया गुनगुन दोनों साथ,
छोटू ने पकड़ा था हाथ।
मेले के थे ऐसे ठाट,
झूले, ठेले, सुंदर हाट।

-रमेश थानवी

अभ्यास कार्य

आओ बात करें -

1. आपके आसपास कौन-कौनसे मेले लगते हैं ?
2. क्या आपने कभी मेला देखा है ? आपको वहाँ क्या-क्या अच्छा लगा ? इसके बारे में बताइए।
3. मेले में जाने से पहले आप क्या-क्या तैयारियाँ करते हैं ?

सोचो और लिखो-

1. बहुविकल्पात्मक प्रश्न-

(क) मेले में क्या-क्या वस्तुएँ थीं ?

(अ) झूले (ब) चाट का ठेला

(स) खिलौने वाला (द) उपर्युक्त सभी ( )

(ख) बच्चों ने मेले में क्या खाया ?

(अ) आइसक्रीम (ब) चाट (स) समोसा (द) मिठाई ( )

2. मेले में क्या-क्या दिखाई दे रहा था ?
3. मेले में चाट के अलावा और क्या-क्या वस्तुएँ मिलती हैं ?
4. मेले में छोटू ने किसका हाथ पकड़ा था और क्यों ?

मेरी तेरी सबकी बात -

1. मेले से जुड़ी इन वस्तुओं को आपके घर की भाषा में क्या कहते हैं ?

झूला .... पकौड़ी ....

चाट .... गुड़िया ....

2. कविता के इन वाक्यों को पूरा कीजिए –

झूले, ठेले, सुंदर .... ।

लाए जाकर .... खिलौने।

3. चित्र में आई वस्तुओं को पहचानकर उनके नाम लिखिए –

....

....

....

आओ लिखें–

1. बच्चों ने मेले में क्या–क्या किया ?
2. कविता में गुड़िया और गुनगुन कौन हैं ?
3. मेले का वातावरण कैसा था ?
4. आप मेले में जाते हैं तो क्या–क्या खरीदते हो ?
5. आपका दोस्त अपने मामाजी के गाँव में लगे मेले में जाकर आया है। मेले की बात जानने के लिए आप उनसे कौन–कौनसे सवाल पूछेंगे ? लिखिए।

6. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं। इनको आगे बढ़ाते हुए कविता बनाइए-

घर के पास लगा था मेला

काका आए लेकर थैला

.... रेलम रेला।

.... पीला केला।

....

7. आपका साथी मेले मे खो जाए तो आप उसे कैसे खोजेंगे ? किस-किससे मिलेंगे और क्या करेंगे ? शिक्षक और बड़ों से चर्चा कर बताएँ और लिखें।

भाषा की बात -

1. दिए गए वाक्यों में काम को कौन कर रहा है ? पहचानकर सही उत्तर पर चिह्न लगाइए।

(क) रीना किताब पढ़ रही है।

(अ) रीना (ब) किताब (स) पढ़ रही है ( )

(ख) मोहन ने गेंद फेंकी।

(अ) मोहन (ब) गेंद (स) फेंकी ( )

2. दिए गए वाक्यों में क्या काम हो रहा है ?

(क) चिड़िया आकाश में उड़ रही है।

(अ) चिड़िया (ब) उड़ रही है (स) आकाश में ( )

(ख) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

(अ) बच्चे (ब) खेल रहे हैं (स) मैदान ( )

3. वाक्य के लिए एक शब्द लिखें-

बच्चों को पढ़ाने वाली - **शिक्षिका**

गाय चराने वाला - ....

लोहे का सामान बनाने वाला	–	....
मिठाई बनाने वाला	–	....
क्रिकेट मे बॉल फेंकने वाला खिलाड़ी	–	....
बच्चों के पढ़ने का स्थान	–	....
ऐसा स्थान जहाँ पुस्तकें रखी होती हैं	–	....

यह भी करें–

पुस्तकालय में से मेले से जुड़ी हुई कहानी या कविता की किताब को पढ़िए और पढ़ी गई कहानी/कविता को बालसभा में सुनाइए।

अध्याय - 11

चार दोस्त

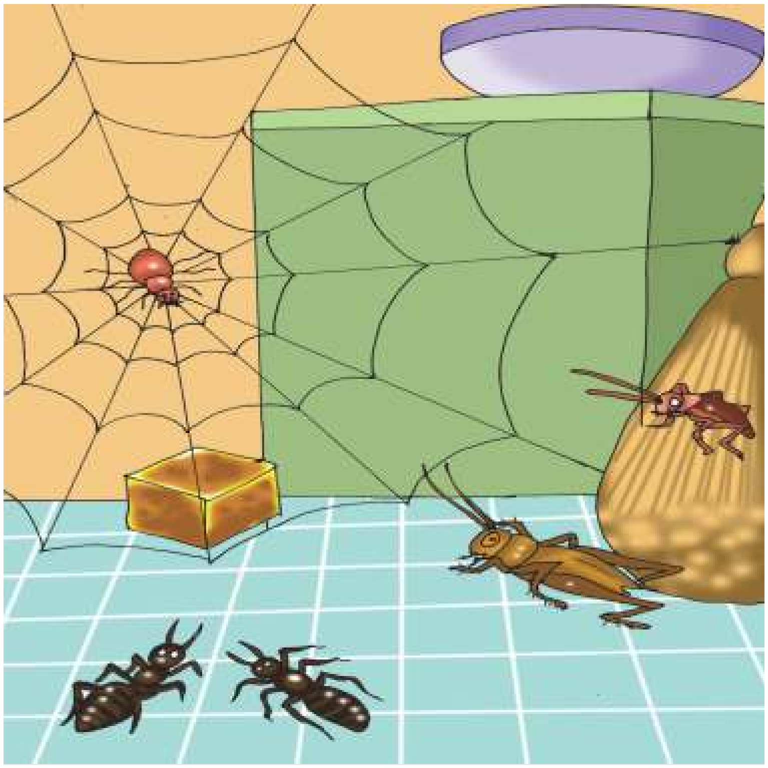

रात हुई और वे अपने घरों से निकल पड़े। पहले कॉकरोच रसोई में पहुँचा और फिर झींगुर। दोनों को खाने की तलाश थी।

कॉकरोच और झींगुर आपस में गुड़ तक पहुँचने के बारे में बात करते हुए एक दूसरे के नजदीक आए।

''क्यों, आज किधर चला जाय ?'' –कॉकरोच ने पूछा।

''उधर'', झींगुर ने एक तरफ इशारा किया।

''ऊं हूं..... वहाँ तो आलू है। आज कुछ मीठा खाने का मन है।'' –कॉकरोच बोला।

झींगुर बोला, ''आओ फिर इधर आलमारी के पीछे चलें।'' दोनों एक आलमारी की तरफ चल पड़े। कोने में गिरा गुड़ दोनों ने देख लिया था।

थोड़ा आगे बढ़ते ही दो चींटों ने उन्हें रोका। झींगुर तो डर गया पर कॉकरोच ने हिम्मत दिखाई।

''सुनो, तुम हमें काटो मत। हम तुम्हें मीठा गुड़ खिलाएँगे।'' –कॉकरोच ने उन्हें लालच दिया।

''गुड़ ! कहाँ है गुड़ ?'' – गुड़ का नाम सुनते ही चींटे चीखे। उनके मुँह में पानी आ गया।

''वो उधर, आलमारी के पीछे, जमीन पर गिरा है एक टुकड़ा। मालिक उसे झाड़ू लगाते समय कूड़े के साथ फेंक ही देगा।'' – कॉकरोच ने उन्हें गुड़ दिखाते हुए कहा।

अब चारों साथ-साथ चल रहे थे। सबसे आगे कॉकरोच फिर झींगुर उनके पीछे चींटे। अचानक कॉकरोच रुक गया। उसकी मूँछें हिल रही थी।

''क्या हुआ ?'' - चींटे पीछे से चिल्लाए।

''खतरा..... आगे मकड़ी का जाला है'' - कॉकरोच बोला।

''फिर.... हमें गुड़ कैसे मिलेगा ?'' - चींटे चीखे।

''दिमाग लगाओ, कुछ उपाय सोचो'' - झींगुर बोला।

''हम कूदकर आगे निकलें ?'' - चींटों ने पूछा।

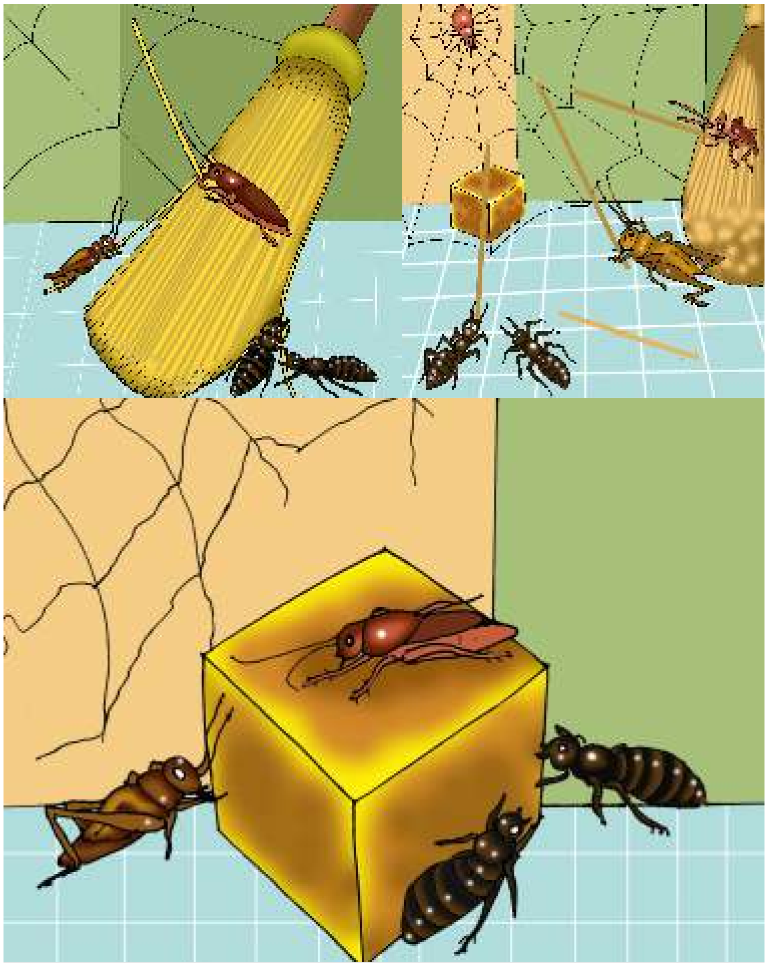

''बेवकूफ, जाले में फँस जाओगे। कुछ और सोचो'' - कॉकरोच ने समझाया।

सब सोचने लगे। कॉकरोच की मूँछे तेजी से हिलने लगी। झींगुर के पंख तेजी से झनझनाने लगे। चींटे जमीन पर पाँव रगड़ने लगे।

झींगुर की निगाह टूटी झाड़ू पर पड़ गई।

''सब मेरे पीछे आओ।'' - झींगुर चीखा।

अब चारों मिलकर झाड़ू की एक सींक खींच रहे थे।

''जोर लगाकर'' - चींटे बोले।

''हइसा'' - कॉकरोच चीखा।

''जल्दी खींचो'' - कॉकरोच बोला।

''हइसा'' – चींटे बोले।

कुछ देर में एक सींक उनके हाथ में आ गई। चारों सींक लेकर आगे बढ़े। सबने मिलकर मकड़ी के जाले में सींक घुमाई।

जाला टूट गया। मकड़ी डरकर कोने में दुबक गई। उसे लगा कोई तूफान आया है। अब उनका रास्ता साफ था। कॉकरोच, झींगुर, चींटे एक साथ गुड़ पर झपट पड़े। चारों एक साथ मिलकर गुड़ खा रहे थे।

–डॉ. हेमंत कुमार

अभ्यास कार्य

आओ बात करें –

1. कहानी में चारों दोस्तों ने किस प्रकार मिलकर समस्या हल की ?
2. क्या आपको कभी किसी समस्या का सामना करना पड़ा है जिसे आपने दोस्तों के साथ मिलकर हल किया हो ? उसे साझा करें।
3. कहानी में सबसे अधिक बुद्धिमान पात्र कौन था और क्यों ?

सोचो और बताओ –

1. बहुविकल्पात्मक प्रश्न–

(क) कॉकरोच और झींगुर किसकी तलाश में थे ?

(क) पानी (ख) मिठाई

(ग) खाना (घ) कपड़े ( )

(ख) मकड़ी के जाले से बचने के लिए किसका उपयोग किया गया ?

(क) डंडा (ख) झाड़ू की सींक

(ग) लकड़ी (घ) रस्सी ( )

2. मिलान करो –

सबसे पहले पहुँचा	कोने में
जाले में फँसने का डर था	आलमारी के पीछे
गुड़ का टुकड़ा पड़ा था	कॉकरोच
मकड़ी डरकर दुबक गई	चींटों का

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) कॉकरोच और झींगुर .... की तलाश में थे।

(ख) चींटों को .... खाने की लालच दिया।

(ग) मकड़ी का .... रास्ते में बाधा बना।

(घ) मकड़ी जाले के टूटने पर .... में दुबक गई।

रचनात्मक प्रश्न–

1. यदि आपको इस कहानी में नया पात्र जोड़ने का अवसर मिले तो कौनसा पात्र जोड़ना चाहेंगे ? उसके बाद की कहानी कैसी होगी ?
2. चारों दोस्तों ने गुड़ तक पहुँचने में आने वाली समस्या को हल करने के लिए क्या उपाय सोचा ?
3. यदि आप इस कहानी का कोई पात्र होते तो गुड़ तक पहुँचने में आने वाली समस्या को कैसे हल करते ?
4. आप अपने दोस्तों को साथ लेकर कौन–कौनसे कार्य करते हैं ? अपने अनुभव साझा करें।
5. यदि चारों दोस्त उपाय सोचे बिना गुड़ खाने जाते तो क्या हो सकता था ?
6. आपको किसी पशु–पक्षी से कोई गुण लेना हो तो किससे, कौनसा गुण लेना पसंद करेंगे और क्यों ?

भाषा की बात –

1. शब्द खोजिए और लिखिए –

	ू की मात्रा वाले शब्द	ा की मात्रा वाले शब्द
शब्द जो पाठ में आए	**झाड़ू**, ..., ..., ..., ...	**रात**, ..., ..., ..., ...
पाठ से बाहर के शब्द	..............., ..., ..., ...	..............., ..., ..., ...

2. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ –

गुड़ ....

साथ–साथ ....

सफाई ....

रसोई ....

आलमारी ....

3. नीचे दिए गए शब्दों के एकवचन और बहुवचन लिखिए –

जैसे– **एक किताब, अनेक किताबें।**

(क) पेंसिल — पेंसिलें

(ख) चना — ....

(ग) .... — गेंदें

(घ) लड़की — ....

(ङ) .... — घोड़े

(च) तितली — ....

4. 'मीठा गुड़' इसमें गुड़ की विशेषता है मीठा। इसी प्रकार निम्नलिखित में से विशेषता बताने वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए–

(क) टूटी झाड़ू – ....

(ख) दो चींटे – ....

(ग) नीला पेन – ....

(घ) सच्चे दोस्त – ....

5. विराम चिह्नों का उचित प्रयोग कीजिए– (, । ?)

मैं एक दिन चित्र बना रही थी अचानक लाल हरा नीला और पीला रंग आपस में बात करने लगे क्या आप जानते हैं वे क्या बात कर रहे थे

पाठ से आगे –

अमित को होली खेलना बहुत पसंद है परंतु बाजार के रंगों से हर बार उसका चेहरा खराब हो जाता है। उसने मोबाइल पर फूलों से रंग बनाने की विधि देखी। उसने होली से पहले ही दोस्तों को इकट्ठा किया और सबने मिलकर फूलों से रंग बनाए। रंगों से हमेशा दूर रहने वाले मित्र भी इस बार मजे से होली खेले। सभी को बड़ा आनंद आया।

1. ऊपर दी गई पंक्तियों को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

   1. अमित को कौनसा त्योहार पसंद है ?

   2. दोस्तों ने मिलकर किससे रंग बनाए ?

2. मनपसंद चित्र, माँड़णा या रंगोली बनाइए और रंग भरिए –

शिक्षक निर्देश– शिक्षक व्याकरण प्रकरण पर विद्यार्थियों की समझ विकसित करने के लिए चर्चा करें।

अध्याय - 12

बिट्टो ने चलाई बाइक

J5U3M7

बिट्टो ने पाँचवी क्या पास की सब उसे बड़ा समझने लगे। बात-बात पर टोकने लगे, ये मत करो, वो मत करो, अब तुम बड़ी हो गई हो। बिट्टो ने माना कि वह बड़ी हो गई है लेकिन मम्मी जितनी बड़ी तो नहीं हुई है न। अभी तो स्कूल ही जाती है। जब और बड़ी हो जाएगी तो कॉलेज जाएगी। अम्मा कहती है लड़कियों को बात-बात पर हँसना नहीं चाहिए, सीधे चलना चाहिए और कपड़े ऐसे पहनने चाहिए। बिट्टो को ये बातें बिलकुल नहीं सुहाती। वह हमेशा अपने हिसाब से ही काम करती है। खूब हँसती है। खूब खेलती है। अब उसने साइकिल चलाना शुरू किया तब भी सबने उसको टोका था, क्यों चलाएगी साइकिल? क्या जरूरत है? लेकिन वह नहीं मानी। अंत में पापा ने इजाजत दे दी लेकिन मम्मी और अम्मा भुनभुनाती ही रही।

अब बिट्टो बारहवीं कक्षा में आ गई थी। एक दिन बिट्टो की बुआ का लड़का अपनी बाइक से आया। उसे यहाँ कुछ काम था। वह महीनाभर रुकने वाला था। उसको बाइक चलाते देख बिट्टो का मन हुआ कि वह भी बाइक चलाए। उसने पूछा, ''भैया क्या मैं भी बाइक चला सकती हूँ?'' ''हाँ-हाँ, क्यों नहीं। मैं सिखा दूँगा।'' भाई को कोई दिक्कत नहीं थी। बिट्टो ने अम्मा, मम्मी, पापा से पूछने की बात की तो भाई कहने लगा, ''सब मना ही करेंगे, सीखना है तो चुपचाप सीखो।''

दोनों भाई-बहिन ने तय किया और बिट्टो की ड्राइविंग क्लास शुरू हो गई। सुबह-शाम किसी न किसी बहाने से भाई बिट्टो को ले जाता और बाइक चलाना सिखाता। हैंडल सँभालना, गियर बदलना और एक्सिलरेटर से गति बढ़ाना। बिट्टो ने मन लगाकर पूरे ध्यान से ड्राइविंग सीखी। थोड़े

दिनों में ही वह बाइक चलाने लगी।

एक दिन पापा को काम से बाहर जाना था वे भाई को भी ले गए। भाई बाइक रखकर और चाबी बिट्टो को देकर चला गया। वे लोग दूसरे दिन लौटने वाले थे। उधर वे गए और इधर अम्मा की तबीयत खराब हो गई। मम्मी घबरा गई।

बिट्टो को डॉक्टर अंकल का दवाखाना पता था। उसने मम्मी से कहा, 'मैं डॉक्टर अंकल को लेकर आती हूँ।' बिट्टो ने बाइक निकाली। मम्मी देखकर परेशान हो गई। वे डाँटने लगी लेकिन बिट्टो नहीं मानी।

उसने बाइक स्टार्ट की और फटाफट निकल गई। थोड़ी देर बाद ही बिट्टो डॉक्टर अंकल को लेकर घर आ गई।

डॉक्टर अंकल ने अम्मा को देखकर दवा दी और मम्मी से कहा, ''आपकी बिट्टो तो बड़ी हो गई। बाइक पर बैठाकर लाई है मुझे। अपनी अम्मा को कितना प्यार करती है।''

क्या! अम्मा चौंक गई। बिट्टो ने बाइक चलाई। यह सुनकर अम्मा की आँखें फटी की फटी रह गई। डॉक्टर अंकल मुस्कुरा रहे थे। बड़ी मुश्किल से मम्मी के चेहरे पर भी मुस्कुराहट आई पर अम्मा तो बिट्टो को ऐसे देख रही थी जैसे उन्होंने कोई भूत देख लिया हो। बिट्टो ने देखा और खिलखिलाकर हँसने लगी। हँसने लगी तो फिर हँसती ही चली गई।

आखिर अम्मा के चेहरे पर भी हँसी आई, कहने लगी ''अब क्या हवाई जहाज उड़ाएगी!''

–नरेन्द्र मौर्य

अभ्यास कार्य

आओ बात करें –

1. क्या आपको साइकिल चलाना पसंद है और क्यों ?
2. आपके परिवार में कोई ऐसा व्यक्ति है जो कुछ नया सीखने के लिए प्रयास करता है ? चर्चा करें।

सोचो और बताओ –

1. सही उत्तर चुनो –

(क) बिट्टो ने साइकिल चलाना कब शुरू किया ?

(अ) पाँचवीं कक्षा में (ब) आठवीं कक्षा में

(स) बारहवीं कक्षा में (द) इनमें से कोई नहीं ( )

(ख) जब अम्मा की तबीयत खराब हुई तब बिट्टो ने क्या किया ?

(अ) डॉक्टर को फोन किया

(ब) बाइक चलाकर डॉक्टर को लेकर आई

(स) पड़ोसियों से मदद माँगी

(द) आराम करने लगी ( )

2. रिक्त स्थान की पूर्ति करो –

(क) बिट्टो ने पहले .... चलाना सीखा फिर बाइक चलाना।

(ख) भाई ने कहा, ''अगर सीखना है तो .... सीखो।''

(ग) जब अम्मा की तबीयत खराब हुई तब बिट्टो .... लेकर आई।

(घ) अंत में अम्मा ने हँसकर कहा, ''अब क्या .... उड़ाएगी!''

रचनात्मक प्रश्न –

1. बिट्टो ने बिना बताए बाइक चलाना सीखा। क्या यह सही था ? अपनी राय दें।
2. अगर आप बिट्टो की जगह होते और अम्मा की तबीयत खराब हो जाती तो क्या करते ?
3. बिट्टो जैसी हिम्मत और आत्मविश्वास हमारे जीवन में कैसे मदद कर सकते हैं ?
4. बाइक चलाने के लिए कम से कम कितनी उम्र होनी चाहिए और क्यों ?

भाषा की बात –

1. विलोम शब्द लिखो –

   1. बड़ी – ....
   2. खुशी – ....
   3. जीत – ....

2. इन शब्दों से वाक्य बनाओ –

   1. हिम्मत – ....
   2. बाइक – ....
   3. डॉक्टर – ....
   4. परिवार – ....

3. एक छोटा अनुच्छेद लिखो– **विषय– मैंने कुछ नया सीखा**

   पाँच वाक्यों में बताओ कि आपने क्या नया सीखा और उसमें क्या कठिनाई आई।

कामों की सूची बनाओ –

ऐसे काम जो आप खुद से कर पाते हो ।	ऐसे काम जो आप दूसरों की मदद से कर पाते हो।

रोजाना किए जाने वाले कामों को क्रम से लिखो-

दोस्तों के साथ खेलना, ब्रश करना, गृह कार्य करना, सोना, भोजन करना, स्कूल जाना, नहाना, स्कूल के लिए तैयार होना और कोई अन्य कार्य जो आप करते हो —

	कार्य का नाम	कितने बजे करते हो ?
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		
9.		

आकलन–III

Z1L5I2

मौखिक अभिव्यक्ति –

1. चित्र देखकर एक कहानी बनाकर सुनाइए।

2. आपके गाँव / शहर में पानी के स्रोत जैसे– कुआँ, बावड़ी, तालाब, नाड़ी, नदी, झील आदि के बारे में बताइए। इनके पानी का क्या–क्या उपयोग है? उनके आसपास कौन–कौनसे पक्षी रहते हैं? चर्चा कीजिए।

3. चार दोस्त वाली कहानी अपने शब्दों में सुनाइए।

पढ़कर समझना –

1. दी गई कविता को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

बूँद गिरी बादल से झर–झर,
हवा में उड़ती इधर–उधर

बादल कहता आओ घर
नदी बुलाती, आओ इधर!
टर्र टर्र मेंढ़क टर्राए,
पानी में मछली इठलाए
नाव तैरती है ऊपर,
लहर नचाती उसे किधर
बारिश आई फिर घनघोर
नाच रहा है वन में मोर

1. इस कविता में दो–तीन पंक्तियाँ जोड़कर कविता को आगे बढ़ाइए।

....

....

....

....

2. नदी किसको बुला रही है ?

....

3. बादल बूँद को कहाँ बुला रहा है ?

....

4. वन में कौन नाच रहा है ?

....

5. बारिश आती है तब आपके आसपास क्या–क्या होता है ?

....

6. कविता में आए पात्रों में से आप किस-किसको अपने घर बुलाएँगे और उनका स्वागत कैसे करेंगे ?

....

7. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए –

जोहड़ – ....

संकल्प – ....

मुश्किल – ....

घबराना – ....

भाषा की बात –

1. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में जमाकर उचित वाक्य बनाइए –

(क) मीना / पढ़ रही है। / किताब /

....

(ख) माँ / खाना / स्वादिष्ट / बना रही है।

....

(ग) चिड़िया / पर / बैठी है। / पेड़

....

(घ) बारिश / रही / हो / है।

....

2. नीचे दी गई कहानी अधूरी है। दोस्तों से बातचीत करके इसे आगे बढ़ाओ। दिए गए बॉक्स में साइकिल का चित्र भी बनाओ।

साइकिल को देखकर रीना खुश हो गई। उसके पापा उसके लिए साइकिल लाए थे। साइकिल लेकर घर से बाहर निकली। बाहर निकलकर अपनी सहेली रजनी को आवाज दी– ''रजनी ! आओ

देखो नई साइकिल। चलो चलाते हैं।'' रीना और रजनी साइकिल लेकर निकल पड़ी मैदान की ओर

....

....

....

....

....

....

....

3. इस कहानी से कोई चार प्रश्न बनाकर अपने दोस्तों से पूछिए और उन प्रश्नों को यहाँ लिखिए–

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

सोचो और लिखो–

1. जल संकट को दूर करने के लिए गाँव की महिलाओं ने क्या किया ?
2. मेला कहाँ लगा था और उसमें से बच्चे कितने खिलौने लाए ?
3. 'चार दोस्त' कहानी में चार दोस्त कौन–कौन थे ? नाम लिखिए।
4. बिट्टो का भाई बाइक चलाने के लिए बिट्टो को क्या–क्या सिखाता है ?

अध्याय - 13

बादल हैं किसके काका ?

B9Y9E4

अभी-अभी थी धूप, बरसने
लगा कहाँ से यह पानी ?
किसने फोड़ घड़े बादल के
की है इतनी शैतानी ?

सूरज ने क्यों बंद कर लिया
अपने घर का दरवाजा ?
उसकी माँ ने भी क्या उसको
बुला लिया कहकर आजा।

जोर-जोर से गरज रहे हैं
बादल हैं किसके काका ?
किसको डाँट रहे हैं, किसने
कहना नहीं सुना माँ का ?

-सुभद्रा कुमारी चौहान

अभ्यास कार्य

आओ बात करें –

1. 'बादल हैं किसके काका' कविता में किन–किन घटनाओं का वर्णन किया गया है ?
2. बादलों में पानी कहाँ से आता है ? बातचीत कर पता लगाइए।

सोचो और लिखो–

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

   (क) बादल हैं किसके .... ?

   (ख) अपने .... का दरवाजा।

   (ग) ....–जोर से गरज रहे हैं।

   (घ) किसने .... घड़े बादल के ?

रचनात्मक प्रश्न –

1. अगर सच में सूरज किसी की माँ की डाँट से छिप जाता तो क्या होता ?
2. 'यदि मैं बादल होता / होती' इस विषय पर पाँच वाक्य लिखो।
3. बादल का चित्र बनाकर रंग भरिए। यदि बादल बोलते तो आप उनसे क्या–क्या प्रश्न करते ? लिखिए।

4. निम्नलिखित पंक्तियों में रिक्त स्थानों पर अपने दोस्तों के नाम भरकर वाक्यों को पूरा कर कविता को आगे बढ़ाइए –

आओ–आओ खेलें खेल
सब मिलकर बन जाएँ रेल
अरुण बना इंजन मतवाला
..........है डिब्बा पीछे वाला
बीच में........, ... भी हैं
........, ... खुश सभी हैं।

5. पाठ की कविता में आए पात्र बरसात पर आपस में क्या–क्या बातें करेंगे ? संवाद कीजिए और लिखिए–

बादल – ....

सूरज – ....

भाषा की बात –

1. नीचे दिए गए शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर गोला लगाइए –

(कीचड़, गीली, वर्षा, पेड़, फल, बाढ़, तना)

फ	उ	मी	कु
ल	की	भ	ख
ला	च	व	र्षा
पे	ड़	द	जो
छ	नो	बा	ये
गी	ली	ढ़	रु
रा	ट	त	ना

2. नीचे दिये गए शब्दों में से तुकबंदी वाले शब्दों को मिलाइए। जैसे– **पेड़, भेड़।**

चलते	भूख
छाया	रहते
सूख	लस्सी
झट	काया
रस्सी	पट

3. किसी काम को करने से मना करने के लिए **नहीं** का उपयोग किया जाता है, नीचे दिए गए वाक्यों में सही जगह पर **नहीं** लगाकर फिर से लिखिए।

यह इतना मजेदार है।	**यह इतना मजेदार नहीं है।**
उधर जाना चाहिए।	
मैं आज क्रिकेट खेलूँगा।	
यह झूला तेज चलता है।	
मैंने खिलौना खरीदा।	

4. एक जैसे अर्थ वाले शब्द लिखिए –

पेड़ – **वृक्ष**

सूरज – ....

वर्षा – ....

नदी – ....

5. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए –

ऊपर – ....

मीठी – ....

धूप – ....

आना – ....

6. कविता में आए निम्नलिखित शब्दों का अपनी बातचीत में प्रयोग करो–
(धूप, काका, घर, बरसात)
जैसे– आज धूप बहुत तेज है।

यह भी करें–

1. अपने दोस्तों के साथ मिलकर विद्यालय के पुस्तकालय में वर्षा से संबंधित कहानी, कविता ढूँढ़कर पढ़िए और उसे कक्षा में सुनाइए।
2. पेड़ पक्षियों का घर होता है। आपके घर या विद्यालय के पास वाले पेड़ों पर कौन–कौनसे पक्षी आते हैं ? इस तालिका में लिखिए –

पेड़ का नाम	पक्षी का नाम	पक्षी के बारे में कोई एक खास बात

पढ़ने के लिए –

अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मजे हमारे होते,
बाँध तने में उनके रस्सी,
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।
जहाँ कहीं भी धूप सताती,
उनके नीचे झट सुस्ताते,
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती,
उनके नीचे हम छिप जाते।
भूख सताती अगर अचानक,
तोड़ मधुर फल उनके खाते,
आती कीचड़-बाढ़ कहीं तो,
झट उनके ऊपर चढ़ जाते।
अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते!

–दिविक रमेश

अध्याय - 14

मातृकुंडिया की यात्रा

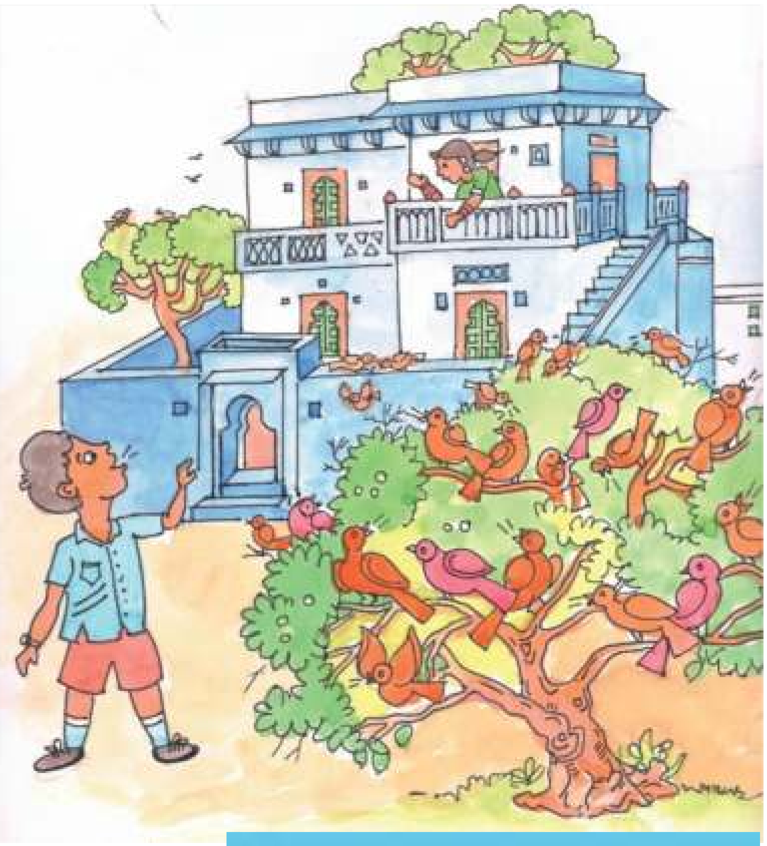

सुबह से ही सूरज की हल्की किरणें गाँव की गलियों को रोशन कर रही थी। पक्षियों की चहचहाहट और ठंडी हवा माहौल को भी खास बना रही थी। कन्हैया ने छोटी बहिन सृष्टि को आवाज लगाई –

''सृष्टि जल्दी करो। हमें मेला देखने जाना है।''

सृष्टि भागते हुए आई और बोली, ''भैया! क्या सच में वहाँ बहुत सारे झूले और खिलौने होंगे?''

चंदा दीदी आई और मुस्कुराते हुए बोली, ''हाँ सृष्टि! चलो, सब।''

दादाजी ने उठते हुए कहा, ''चंदा! तुम सृष्टि को अपने साथ रखना।''

तभी दादी बोली, ''और कन्हैया रखेगा अपने लाडले नरेश और यशवंत का ध्यान।''

भैरू काका ने ऊँटगाड़ी को सजाया। उसमें मेले में जाने वाले सभी सवार हुए। ऊँटगाड़ी मातृकुंडिया की ओर निकल पड़ी।

आज वैशाख पूर्णिमा का दिन था। बनास नदी के तट पर मातृकुंडिया का बड़ा मेला लगा था। इस मेले की परंपरा सदियों पुरानी है। यहाँ लोग भगवान का आशीर्वाद लेने और मेले का आनंद उठाने आते हैं।

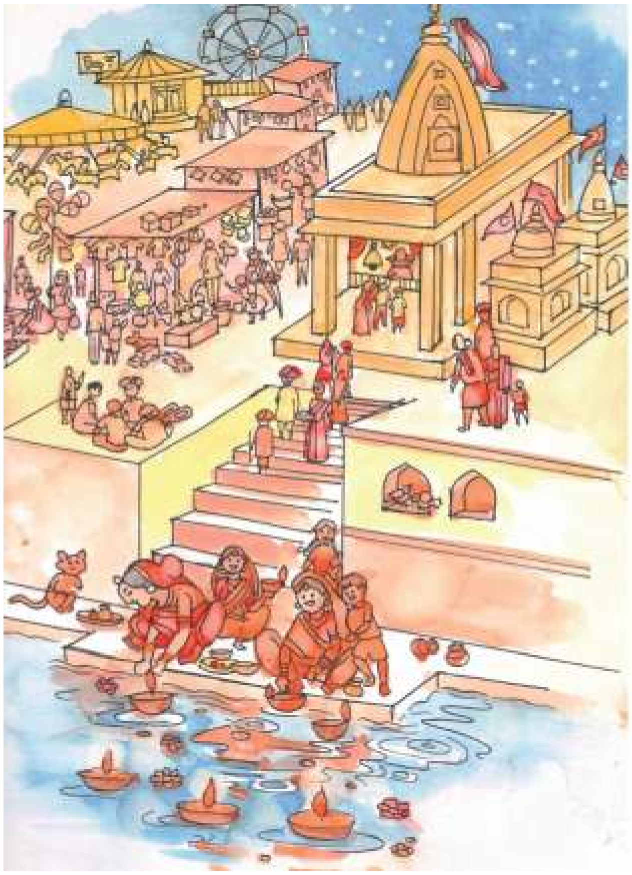

नरेश ने कौतुहल से दादाजी से पूछा,

''मातृकुंडिया को 'मेवाड़ का हरिद्वार' क्यों कहते हैं?''

चंदा तपाक से बोली, ''क्योंकि यहाँ मंगलेश्वर महादेव का बहुत पुराना मंदिर है। बनास नदी पर बाँध बना हुआ है और इससे यहाँ का प्राकृतिक दृश्य बड़ा सुहावना लगता है। लोग यहाँ पूजा करने और पितरों के लिए तर्पण करने आते हैं। यह एक पवित्र जगह है। सही है ना दादाजी''

''हाँ बिटिया।'' दादाजी ने हँसते हुए कहा।

जब हम मातृकुंडिया पहुँचे तो बनास नदी का दृश्य देखकर मन खुश हो गया। पानी धीरे-धीरे बह रहा था। कुछ श्रद्धालु पूजा कर रहे थे और महिलाएँ नदी के किनारे दीपदान कर रही थी। छोटे-छोटे दीये पानी में तैरते हुए बहुत सुंदर लग रहे थे।

हम सबसे पहले मंगलेश्वर महादेव मंदिर गए। वहाँ शिवजी के दर्शन किए।

मंदिर से बाहर निकलते ही हम मेले के मैदान में पहुँचे। चारों तरफ रौनक ही रौनक थी। हर तरफ रंग-बिरंगी दुकानें, खिलौनों की दुकानें कतार में सजी थी जहाँ सजावटी सामान, दैनिक उपयोग का सामान, मिट्टी के बर्तन, खिलौने, रंग-बिरंगी चूड़ियाँ और सुगंधित धूपबत्तियाँ बेची जा रही थी। क्या बड़े और क्या बच्चे! सब मोलभाव और खरीददारी करने में लगे थे। दादीजी

ने कहा, ''बेटा! मिट्‌टी के बर्तन पर्यावरण के लिए अच्छे होते हैं।''

मेले में बड़े-बड़े झूले थे। सृष्टि झूले पर चढ़कर डर रही थी लेकिन चंदा ने उसका हाथ पकड़ा और समझाया, ''डरने की बात नहीं, मैं तुम्हारे साथ हूँ।'' झूला झूलते हुए सबको ऐसा लग रहा था जैसे- आसमान में उड़ रहे हों।

कन्हैया मोबाइल से मेले की तस्वीरें खींचता और सेल्फी लेता है।

मेले में खाने की दुकानों पर भी काफी भीड़ थी। दाल-बाटी-चूरमा, चटपटी कचौरी, बर्फी और जलेबियों की खुशबू ने हमारा ध्यान खींचा। भूख के मारे हमारे पेट में चूहे कूदने लगे।

हमने एक ढाबे पर बैठकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

कन्हैया ने देखा कि कुछ बच्चे नाश्ता करके अखबार, प्लास्टिक की थैलियाँ और रैपर इधर-उधर डाल रहे थे।

दादाजी ने उनसे कहा, ''हमें सफाई का ध्यान रखना चाहिए। देखो, यहाँ कूड़ादान रखा है।'' सभी बच्चों ने मिलकर कचरा उठाया और कूड़ेदान में डाल दिया।

थोड़ा आगे चलने पर लोकनृत्य और गीत का कार्यक्रम चल रहा था। मेवाड़ी वेशभूषा में महिलाएँ और पुरुष 'घूमर' कर रहे थे। संगीत सुनकर हमारे भी पैर खुद-ब-खुद थिरकने लगे। चंदा, सृष्टि और दादी ने भी उनके साथ नाचने की कोशिश की। यशवंत की नाचने की कोशिश पर सब हँसने लगे।

चंदा ने मुस्कराते हुए कहा, ''चलो, अब घर वापस चलते हैं। इस मेले की यादें हमेशा

हमारे दिलों में रहेंगी।''

दादाजी ने कहा, ''बच्चो, हर मेला हमें कुछ सिखाने आता है। आज तुमने मस्ती भी की और सीख भी ली। यही मेले का असली आनंद है।''

शाम को जब सूरज ढल रहा था, सभी ने मेले से विदा ली। ऊँटगाड़ी में लौटते समय बच्चे आपस में मेले के मजेदार किस्से सुना रहे थे। सृष्टि और यशवंत तो ऊँटगाड़ी में बैठते ही थोड़ी देर में सो गए जबकि नरेश कभी ऊँघता, कभी जागता। चंदा ने यह दृश्य देखा और चुपके से मोबाइल में उनका फोटो खींच लिया। ''यह फोटो बहुत मजेदार है,'' चंदा मुस्कुराई।

अभ्यास कार्य

आओ बात करें -

1. क्या आप भी कभी किसी मेले में गए हो? यदि हाँ तो वहाँ क्या-क्या देखा? बताइए।
2. यदि आपको मेले में जाने का मौका मिले तो सबसे पहले आप क्या करोगे?
3. आपको मेले में सबसे ज्यादा क्या पसंद है- झूले, खिलौने, मिठाइयाँ या कुछ और?

सोचो और लिखो-

1. सही उत्तर चुनो (बहुविकल्पात्मक प्रश्न)

क. मातृकुंडिया में कौनसी नदी बहती है?

(अ) गंगा नदी   (ब) बनास नदी

(स) नर्मदा नदी   (द) यमुना नदी   (   )

ख. सृष्टि को मेले में सबसे ज्यादा क्या करने में मजा आया?

(अ) झूला झूलने में (ब) गुब्बारे खरीदने में

(स) मिठाइयाँ खाने में (द) खिलौने खरीदने में ( )

2. मिलान करो –

बनास नदी	मेले में लगे थे
झूले	मातृकुंडिया में बहती है
मिट्टी के बर्तन	खाने की दुकान पर बिक रही थी
मिठाइयाँ	पर्यावरण के लिए लाभदायक है

3. रिक्त स्थान भरो –

(क) .... नदी के किनारे मातृकुंडिया मेला लगता है।

(ख) मेले में बड़े-बड़े .... थे।

(ग) शाम को जब .... ढल रहा था, सब ने मेले से विदा ली।

(घ) कन्हैया ने मेले की .... ली।

रचनात्मक प्रश्न –

1. अगर आपको मेले में जाने का मौका मिले तो आप सबसे पहले क्या करना चाहोगे?
2. कल्पना कीजिए कि आपके गाँव या शहर में एक नया मेला लगा है। वहाँ क्या-क्या होगा?
3. अगर आप मेले में दुकानदार होते तो क्या बेचते और क्यों?
4. यदि मेले में कोई बच्चा खो जाए और आपको मिले तो आप उसे उसके माता-पिता तक पहुँचाने में कैसे मदद करेंगे?

भाषा की बात –

1. नीचे दिए गए वाक्यों में विशेषता बताने वाले शब्द पहचानिए और उन्हें रेखांकित कीजिए –

   (क) सूरज की हल्की किरणें गाँव की गलियों को रोशन कर रही थी।

   (ख) मेले में बड़े–बड़े झूले लगे थे।

   (ग) वहाँ सुहावना प्राकृतिक दृश्य था।

   (घ) महिलाएँ नदी के किनारे छोटे–छोटे दीये बहा रही थी।

2. नीचे दिए गए खाली स्थान में उचित विशेषता बताने वाले (विशेषण) शब्द लिखिए–

   (क) कन्हैया ने .... खिलौने खरीदे।

   (ख) दादी ने .... बर्तन लेने की सलाह दी।

   (ग) नदी का दृश्य बहुत .... लग रहा था।

   (घ) हमने .... भोजन का आनंद लिया।

   (ङ) हवा बहुत .... चल रही थी।

3. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ –

   (क) मेला – ....

   (ख) झूला – ....

   (ग) मिठाई – ....

   (घ) खरीददारी – ....

यह भी करें-

1. आपके आसपास कौनसा मेला लगता है? उसके बारे में बताइए।
2. नीचे दिया गया विज्ञापन पढ़ो और बताओ -

> **आओ मेले में चलें**
>
> **दशहरा मैदान- राशमी**
>
> **दिनांक- 10 फरवरी, 2025**
>
> **समय- सुबह 9:00 बजे से रात्रि 7:00 बजे तक**
>
> **मेले के आकर्षण**
>
> मजेदार दुकानें, जादू से जुड़े खेल, कबड्डी प्रतियोगिता, बच्चों से जुड़े खेल, झूले, नृत्य और संगीत का कार्यक्रम
>
> मेले से जुड़ी जानकारी के लिए - 9999999999 पर संपर्क करें।

1. मेला कब है?
2. मेला कहाँ लगा है ?
3. मेले के मुख्य आकर्षण क्या-क्या हैं?

अध्याय - 15

बीरबल की खिचड़ी

अकबर के दरबार में अनेक विद्वान थे। बीरबल उन्हीं में से एक थे। बीरबल का असली नाम पंडित महेश दास था। बीरबल अपनी चतुराई के लिए बड़े प्रसिद्ध थे। अपनी चतुराई से वे अकबर को भी निरुत्तर कर देते थे। अकबर और बीरबल के बारे में अनेक कहानियाँ प्रसिद्ध हैं। लोग उन्हें बड़े चाव से सुनते–सुनाते हैं।

एक बार की बात है। अकबर किसी गाँव से होकर जा रहे थे। सर्दी के दिन थे। गाँव के लोग आग जलाकर उसके चारों ओर बैठे बातें कर रहे थे। जब अकबर अपने साथियों के साथ वहाँ पहुँचे तो एक व्यक्ति कह रहा था कि मैं यमुना के पानी में रातभर खड़ा रह सकता हूँ। अकबर को इस बात का विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने उस व्यक्ति से कहा कि यदि तुम पूरी रात पानी में खड़े रहो तो मैं तुम्हें थैली भर मोहरें इनाम में दूँगा। वह मान गया। अगली रात वह व्यक्ति यमुना के ठंडे जल में पूरी रात खड़ा रहा। प्रातः वह अकबर के दरबार में आया।

अकबर ने आश्चर्य से पूछा, ''तुम इतनी सर्दी में पूरी रात पानी में कैसे खड़े रहे ?''

उसने नम्रता से उत्तर दिया, ''महाराज, आपके राजमहल से दीपक का प्रकाश आ रहा था। मैं

उसे देखते हुए पूरी रात पानी में खड़ा रहा।'' अकबर ने कहा, ''तो तुम मेरे दीपक की गरमी के कारण ही सर्दी से बच सके। तुम्हें कोई इनाम नहीं दिया जाएगा।''

वह बहुत दुखी हुआ और उदास होकर चला गया। उस समय बीरबल भी दरबार में उपस्थित थे। उन्होंने सोचा इस दुखी व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

दूसरे दिन बीरबल दरबार में नहीं आए। अकबर को चिंता हुई कि कहीं बीरबल बीमार तो नहीं पड़ गए। उन्होंने बीरबल को बुलावा भेजा। बीरबल ने कहलवाया कि मैं खिचड़ी पका रहा हूँ, पक जाने पर दरबार में उपस्थित हो जाऊँगा।

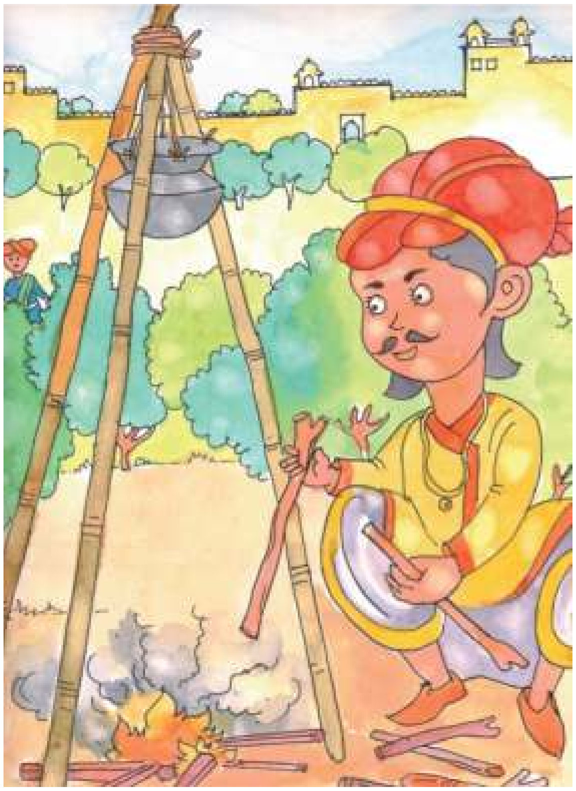

अगले दिन बीरबल को फिर दरबार में न देखकर अकबर ने कुछ सोचा। फिर वे दरबारी से बोले, ''चलो, स्वयं ही चलकर देखें कि बीरबल कैसी खिचड़ी पका रहे हैं।'' जब अकबर बीरबल के यहाँ पहुँचे तो उन्होंने देखा कि एक बहुत लंबे बाँस के ऊपरी सिरे पर एक हाँडी लटकी हुई है। हाँडी से बहुत नीचे भूमि पर बहुत थोड़ी-सी आग जल रही है। अकबर ने हैरानी से पूछा, ''बीरबल! भला यह खिचड़ी कैसे पक सकती है ? हाँडी तो आग से बहुत दूर है।''

बीरबल ने उत्तर दिया, ''हुज़ूर अगर वह व्यक्ति राजमहल के दीपक की गरमी के सहारे सारी रात ठंडे पानी में खड़ा रह सकता है तो इस आग से मेरी खिचड़ी

क्यों नहीं पक सकती?" अकबर को बात समझ में आ गई। उन्होंने दूसरे दिन उस व्यक्ति को दरबार में बुलाया और बड़े सम्मान के साथ उसे मोहरों की थैली भेंट कर दी।

–एनसीईआरटी से साभार

अभ्यास कार्य

आओ बात करें–

1. आप सर्दी से बचने के लिए क्या–क्या उपाय करते हैं?
2. अपने द्वारा किए गए सबसे कठिन काम का अनुभव बताइए।
3. बीरबल ने खिचड़ी पकाने की हाँडी को बाँस पर बाँधकर क्यों रखा?
4. अपने घर पर बातचीत करके पता लगाएँ कि खिचड़ी किन–किन चीजों से बनती है और कैसे बनाई जाती है?

सोचो और लिखो–

1. बीरबल का असली नाम क्या था?
2. बीरबल किसलिए प्रसिद्ध थे?
3. वह व्यक्ति पूरी रात पानी में कैसे खड़ा रहा?
4. बादशाह को उस व्यक्ति की बात पर आश्चर्य क्यों हुआ?
5. बादशाह ने अगले दिन उस व्यक्ति को इनाम क्यों नहीं दिया?
6. बीरबल ने उस व्यक्ति की सहायता कैसे की?

भाषा की बात –

1. नीचे दिए गए वाक्यों से कुछ शब्द गायब हैं। कोष्ठक मे दिए गये शब्दों की सहायता से वाक्यों को पुनः लिखिए – **(के, कि, की, ने, में)**

जैसे– अकबर के दरबार अनेक विद्वान् थे।

अकबर के दरबार में अनेक विद्वान् थे।

1. अकबर और बीरबल अनेक कहानियाँ प्रसिद्ध हैं।

....

2. गाँव लोग अलाव जलाकर उसके चारों ओर बैठे बातें कर रहे थे।

....

3. उन्होंने सोचा इस दुखी व्यक्ति सहायता करनी चाहिए।

....

4. बीरबल कहलवाया कि मैं खिचड़ी पका रहा हूँ, पक जाने पर दरबार में उपस्थित हो जाऊँगा।

....

2. कहानी में आए ये वाक्य किसने और किससे कहे ? लिखिए।

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
''तुम इतनी सर्दी में पूरी रात पानी में कैसे खड़े रहे ?''		
''चलो, स्वयं ही चलकर देखें कि बीरबल कैसी खिचड़ी पका रहे हैं ?''		

यह भी करें-

1. बीरबल की तरह एक और विद्वान् तेनालीराम भी अपनी चतुराई के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। पुस्तकालय में से पढ़कर उनके बारे में पता कीजिए और उनके किस्से पढ़कर कक्षा में अपने साथियों को सुनाइए।

2. बच्चों को तीन समूह में बाँटकर नीचे दी गई एक-एक पंक्ति दीजिए और बिना रुके चार-पाँच बार बोलने को कहें -

    1. तिनके-तिनके तीन तितलियाँ, तीन तितलियाँ तिनके-तिनके।

    2 बबलू बाबू बारह बकरियाँ बाँध के बंबई गए, बंबई में बबलू बाबू की बारह बकरियाँ भाग गई।

    3. गोलू के गोल गप्पे गोल, गोल गप्पे खा गए गोलू गोल।

अध्याय - 16

बूझो तो जानें

L5V3M3

खूब चमकते रात-रात भर,
दिनभर रहते छुपके।
सुबह हुई सूरज को देखा,
भागे चुपके-चुपके ।। 1 ।।

इंजन के बिन चलती जाए,
कभी न खाए खाना।
कान पकड़कर पैर दबाओ,
अगर कहीं हो जाना ।। 2 ।।

बिना थके चलती दिन-रात,
टिक-टिक, टिक-टिक करती बात।
बँधी हाथ, दीवार चढ़ी,
मेरा नाम है सुनो......... ।। 3 ।।

पानी भरा, पेड़ पर लटका,
ना मैं बादल, ना ही मटका।
प्यास मिटा सकता हूँ पल में,
मिलते गुण ये.........में।। 4।।

मध्य कटे तो 'सास' बनूँ मैं,
कटे प्रथम तो बन जाऊँ 'रस'।
अंतिम कटे 'सार' रह जाए,
सब मिलकर बन जाऊँ....।। 5।।

नहीं किसी का मामा हूँ,
पहना नहीं पजामा हूँ।
बेशक बड़ा मुछंदर हूँ,
लेकिन केवल........हूँ।। 6।।

एक थाल मोतियों से भरा,
सबके सिर पर औंधा धरा।
चारों ओर वो थाल फिरे,
मोती उससे एक न गिरे।। 7।।

पकड़ूँ कान, नाक पर बैठूँ,
बन जाऊँ चेहरे की रौनक ।
अक्षर मोटे कर दिखलाती,
मैं कहलाती हूँ .... ।। 8 ।।

घड़ी, कैमरा, केलकुलेटर,
पुस्तक और टीवी बन जाऊँ।
बात कराऊँ, खबरें लाऊँ ,
हर मुश्किल का हल बतलाऊँ ।। 9।।

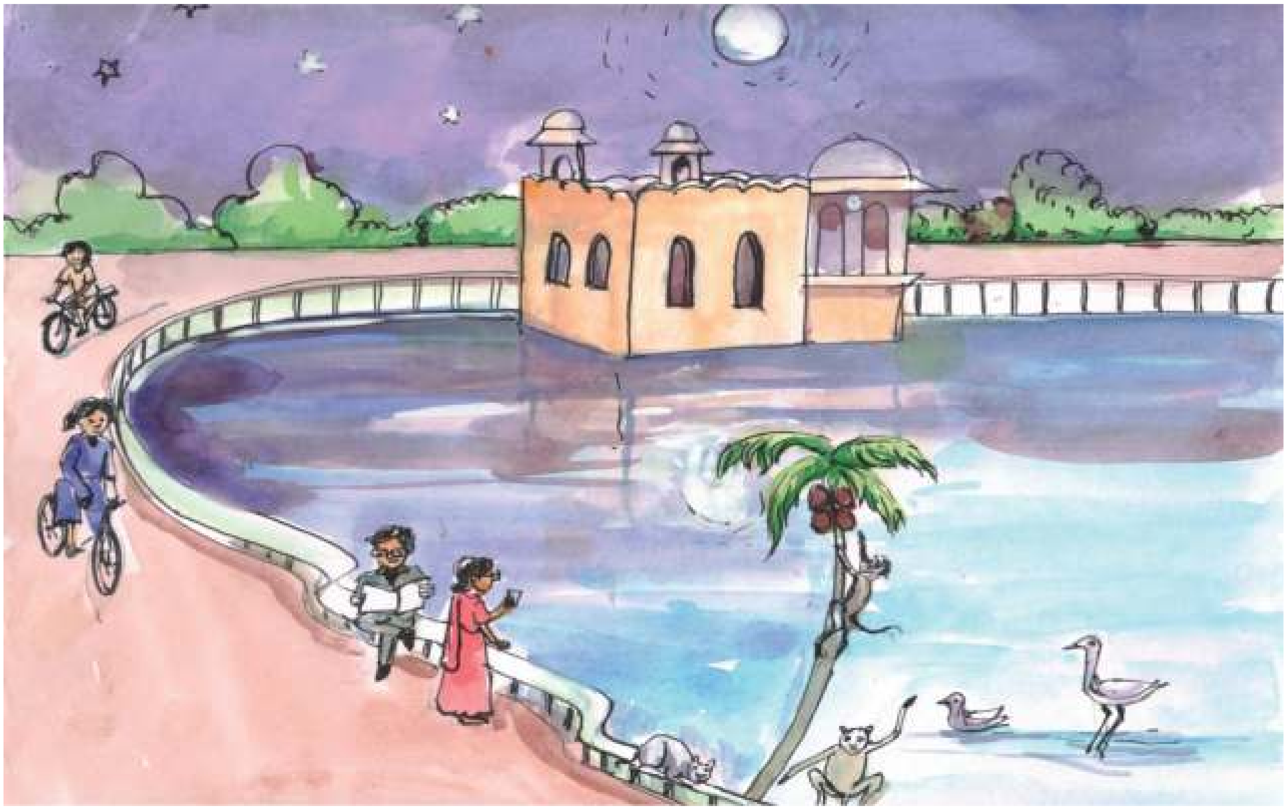

निर्देश- चित्र की सहायता से पहेलियों के उत्तर ढूँढ़िए।

अभ्यास कार्य

आओ बात करें -

1. इन पहेलियों में से कौनसी पहेली आपको सबसे अधिक पसंद आई और क्यों ?
2. क्या आपने पहले भी ऐसी और पहेलियाँ सुनी हैं ? यदि हाँ तो उन्हें कक्षा में सुनाइए।

सोचो और लिखो -

1. विकल्पात्मक प्रश्न -

क. कौन रात में चमकता है और दिन में छिप जाता है ?

(क) सूरज (ख) तारे

(ग) दीपक (घ) बल्ब ( )

ख. कौनसी वस्तु बिना इंजन के चलती है ?

(क) रेलगाड़ी (ख) बस

(ग) साइकिल (घ) कार ( )

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

(क) खूब चमकते रात-रात भर, दिन भर रहते .... ।

(ख) बिना थके चलती दिन-रात, टिक-टिक .... करती बात।

(ग) पानी भरा, पेड़ पर लटका, ना मैं बादल, ना ही .... ।

(घ) घड़ी, कैमरा, केलकुलेटर, पुस्तक और .... बन जाऊँ।

रचनात्मक प्रश्न –

1. अपनी पंसद की पहेली लिखिए और उसका उत्तर बताइए।
2. आप भी एक नई पहेली बनाएँ और दोस्तों से हल करवाएँ।
3. आपके आसपास इस प्रकार की कौन-कौनसी पहेलियाँ प्रचलित हैं ? संकलन कीजिए।
4. पहेलियों को हल करने के लिए समूह बनाकर चर्चा कीजिए।

भाषा की बात –

राम, मोहन और सोहन खेल रहे हैं। इस वाक्य में विराम चिह्नों का उपयोग किया गया है। आप भी निम्नलिखित वाक्यों में सही स्थान पर विराम चिह्न **अल्प विराम (,) पूर्ण विराम (।) प्रश्नवाचक चिह्न (?)** लगाइए-

1. सुमित, अमित और राहुल पढ़ रहे हैं
2. क्या आपको आम अच्छे लगते हैं
3. मुझे कब जागना है
4. मैं कुलबीर, विशाल और रोहित क्रिकेट खेल रहे हैं

V6Z3U2

आकलन–IV

मौखिक अभिव्यक्ति –

1. चित्र को देखकर एक कहानी बनाकर सुनाइए–

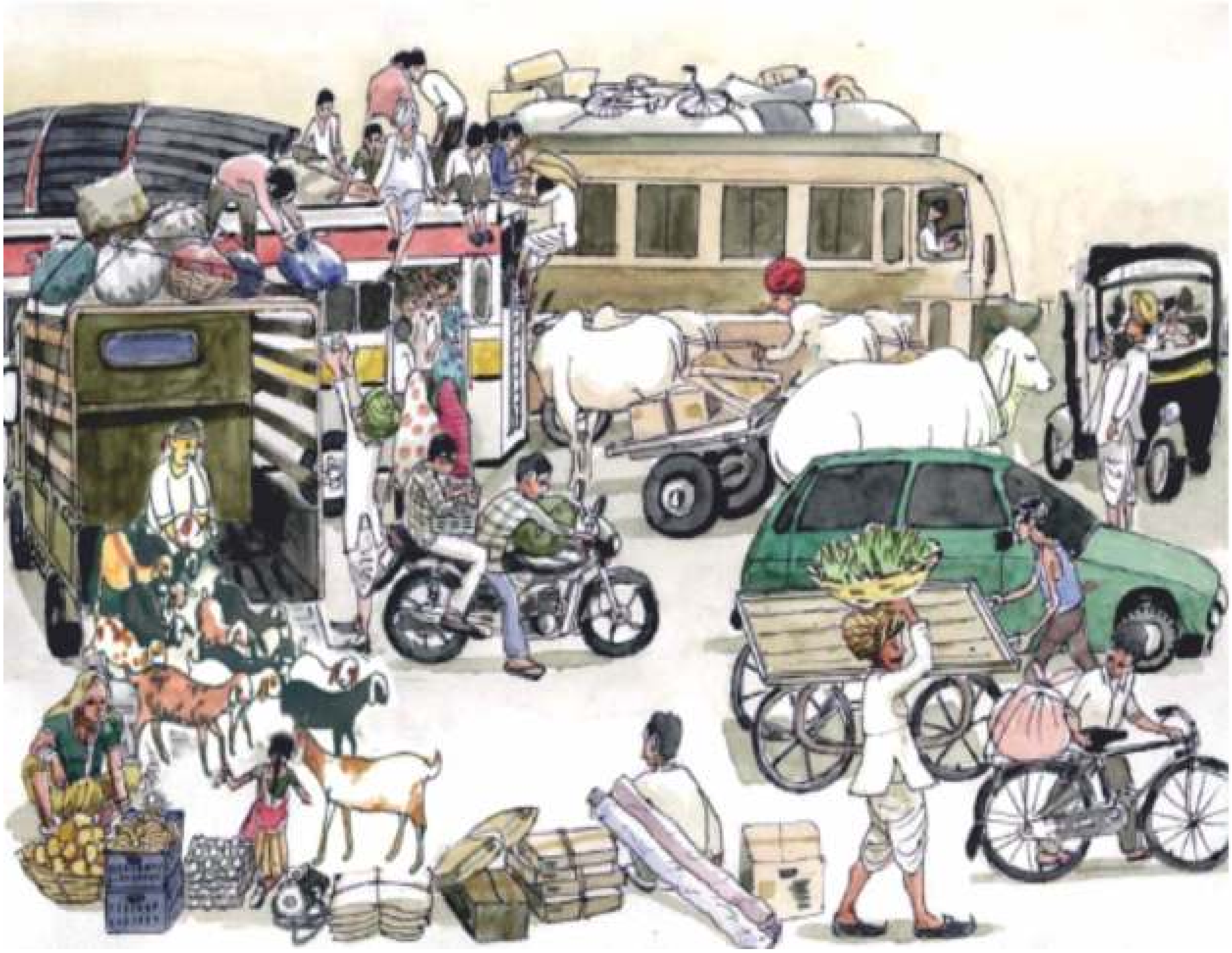

2. आपको बीरबल की चतुराई कैसी लगी ? आप बीरबल की जगह होते तो उस व्यक्ति की मदद कैसे करते ?

3. 'बादल हैं किसके काका ?' कविता अपने दोस्तों को सुनाइए और इस कविता का अर्थ अपने शब्दों में बताइए।

पढ़कर समझना –

1. अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

पर्यावरण हमारे चारों ओर की हवा, पानी, पेड़–पौधे, पशु–पक्षी और वातावरण से बना है। इससे हमें ताजी हवा, साफ पानी और भोजन मिलता है लेकिन लोग पेड़ काट रहे हैं, नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं और धुआँ फैला रहे हैं जिससे पर्यावरण खराब हो रहा है। हमें पेड़ लगाने चाहिए, पानी बचाना चाहिए और कचरा इधर–उधर नहीं फेंकना चाहिए। पक्षियों और जानवरों का भी ध्यान रखना चाहिए क्योंकि वे भी हमारे पर्यावरण का हिस्सा हैं। अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे तो हमारी धरती सुंदर और स्वस्थ रहेगी। हमें मिलकर पर्यावरण बचाना चाहिए ।

(क) पर्यावरण किस–किससे मिलकर बना है ?

....

....

(ख) पर्यावरण को किन–किन कार्यों से नुकसान पहुँच रहा है ?

....

(ग) पशु–पक्षियों का ध्यान क्यों रखना चाहिए ?

....

2. इस अनुच्छेद को पढ़कर अपने दोस्त से कोई तीन प्रश्न पूछिए और उन प्रश्नों को यहाँ लिखिए –

1. ....

2. ....

3. ....

3. आपके आसपास पर्यावरण को साफ–सुथरा रखने के लिए आप अपने दोस्तों के साथ मिलकर क्या–क्या कर सकते हैं ? लिखिए।

....

....

....

....

भाषा की बात –

1. नीचे दिए गए वाक्यों में सही विराम चिह्न (, । ?) लगाइए –

   1. मोहन पानी पी लो
   2. क्या तुम मुझे सुन सकते हो
   3. मेरा पसंदीदा रंग नीला हरा और लाल है
   4. हम रोज स्कूल जाते हैं
   5. तुम्हें कौनसी किताब पसंद आई

2. दिए गए वाक्यों को बदलकर लिखो–

	नहीं लगाकर लिखिए	प्रश्नवाचक वाक्य बनाकर लिखिए
आज स्कूल की छुट्टी है।	आज स्कूल की छुट्टी **नहीं** है।	**क्या** आज स्कूल की छुट्टी है ?
बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।		
राधा साइकिल खरीदेगी।		
पवन रेल से आगरा जाता है।		
रामावतार अलवर का रहने वाला है।		

3. कविता की पंक्तियों को आगे बढ़ाओ –

कविता का नाम लिखो–............................

भूलो बकरी जंगल जाती,
बेर तोड़कर घर पर लाती।
चमचम बिल्ली रसोई में जाती
दूध दही हाँडी ....
.... चूहा .... खाता
....

4. दिए गए शब्दों की मदद से कहानी बनाइए–
(चप्पल, रीछ, जंगल, गीदड़, बैल, डर, हवा, नदी, दोस्त)

कहानी का नाम लिखो– ....

गीदड़ और बैल दोनों अच्छे दोस्त थे। दोनों को प्यास लगी। दोनों घने जंगल को पार कर नदी पर गए। उन्होंने जैसे ही पानी पीना शुरू किया अचानक तेज गुर्राहट की आवाज सुनी। इस आवाज से दोनों डर गए। पीछे देखा और थर–थर काँपने लगे ....

....

....

सोचो और लिखो–

1. 'बादल है किसके काका?' कविता में सूरज द्वारा घर का दरवाजा बंद करने का क्या कारण बताया गया है?
2. यदि आप भी मातृकुंडिया की सैर करते तो क्या–क्या करते?
3. बीरबल ने खिचड़ी क्यों पकाना शुरू किया?
4. क्या आपको पहेलियाँ पढ़ना और सुनना अच्छा लगता है? अगर हाँ तो क्यों?

शब्दों की दुनिया

L1F2T3

अध्याय - 1

आँधी : धूल के साथ तेज हवा का चलना

शोर : तेज आवाज

झकोर : तेज हवा से हिलने की स्थिति

कराहना : पीड़ा के कारण निकलने वाली आवाज

अध्याय - 2

तबीयत : स्वास्थ्य

खंडहर : टूटा हुआ भवन/इमारत

सुराख : छेद

खुशी : प्रसन्नता

अध्याय - 3

स्वादिष्ट : जो खाने में बहुत अच्छा लगे

पकवान : पका हुआ अन्न/भोजन

अगर : यदि

जरूरी : आवश्यक

सेहत : स्वास्थ्य

अध्याय - 4

आज्ञाकारी : आज्ञा मानने वाला

आदर : सम्मान

खुद : स्वयं

निर्दोष : जिसका कोई दोष नहीं हो

असहाय : बेबस, लाचार

अध्याय - 5

गोला : घेरा

चक्कर : परिक्रमा

अध्याय - 6

उपहार : भेंट

भरोसा : विश्वास

हालत	:	स्थिति
कोशिश	:	प्रयास

अध्याय - 7

मौसम	:	ऋतु
तप्त	:	तपा हुआ / गर्म
लू	:	तेज गर्म हवा
कोहरा	:	धुंध
सुहावना	:	सुंदर, मनोहर
माहौल	:	वातावरण / परिवेश

अध्याय - 8

गौर	:	ध्यान
किताब	:	पुस्तक
सवाल	:	प्रश्न
मनगढंत	:	मन से बनाई/गढ़ी हुई

अध्याय - 9

सूखा	:	अकाल
मिसाल	:	उदाहरण
संकल्प	:	प्रण
दृढ़	:	मजबूत
इंतजाम	:	प्रबंध
जोहड़	:	तालाब
भू–जल	:	भूमि में पाया जाने वाला जल

अध्याय - 10

सलोने	:	सुंदर
फूला न समाना	:	अत्यंत प्रसन्न होना
ठाट	:	शान, प्रभाव

अध्याय - 11

निगाह	:	दृष्टि
सींक	:	लंबा तिनका

अध्याय - 12

सुहाती	:	अच्छी लगती
इजाजत	:	अनुमति
दिक्कत	:	परेशानी

अध्याय - 13

शैतानी	:	शरारत
घड़ा	:	पानी भरने का पात्र
दरवाजा	:	द्वार
बादल	:	मेघ, घन

अध्याय - 14

रोशन	:	चमकदार
लाडले	:	प्रिय
कौतूहल	:	आश्चर्य
तर्पण	:	पितरों को जल चढ़ाना
रौनक	:	चमक–दमक
कतार	:	पंक्ति

अध्याय - 15

चाव	:	रुचि, शौक
सम्मान	:	आदर

अध्याय - 16

खूब	:	बहुत
प्रथम	:	पहला
बेशक	:	बिना संदेह के
औंधा	:	उलटा